

भूमिका

समें भिषक सिवाई जाती हैं। इसमें विशेष करकें होरेंच की दिखा की वहीं हारिन पहुँचती हैं। बहुत सी बातें ताने की धुन में शिखक इसके कार्य स्था कारानें पर पर्धायत त्यान नहीं दें सकते हैं। इसका यह कल होता है कि विधार्य हुगाच की बातों की दिना समने रह लीते हैं और वे बातें हुगाच की बातों की दिना समने रह लीते हैं और वे बातें

े देखा गया है कि हिन्दुलान के स्कृती की पराई में एक दा दोष यह है कि अबुकों का जितनी बातें शाननी यातिए

हुगान की बातों की दिना समसे रह नीते हैं और वे बातें गिन्न तो भून जाती हैं। इस बात की दूर करने के निष् भूगान की उस पुस्तकमाता में केवत मुख्य मुख्य बातें बताई गई हैं। मेरे कार्य तथा कारगी पर विशेष म्यान दिया गया है। प्रसिद्ध भूगोल-शासन्न श्री ए० जे० इर्वर्टसन का र सिद्धान्त है कि भूगोल की पुस्तकों में यथासम्भव ऐ

स्थानों के नाम न लिखे जायें जिनके विजा काम च

सकता हो और केवल उन स्थानों के ही नाम लिखने लिए चुने जायें जिनके लिए भूगोल-सम्बन्धा कोई विरं

कारण हो।

ख्नी-पत्र

238.2

देवन का मार्गम्सक भूगोल १ काल है र सहस्रकर 4 Kakara said

\$ 878 5 \$78 EFF 3 و فيدو و عدوة وهدو ووهداء هرد هرودة حدد

र देला हे हैंत

(a) दका क्षेत्र दुई के देश

(त) कार देखा है हेर

(र) भूटाव हारा वे देश E Fres & fr

(4) Cit Species

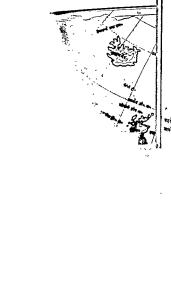
فالمراقعة فالمستريسة بأناناه हे. इसमें बच्चीहरू के बहुनकर

् कारों बहुत्ति। के जब का है अब हकार्या । -والإسلامكية أأأ أستر ويود مد فيفية

1. Sanday & Section 1.

the state of the state of the

| | | ſ | ₹ |] | | | |
|---|----------------------|---------------|------------|---------|--------------|----|------|
| ৠ | च्याच | | বিশ | वय | | | Li |
| अभीका का भारम्मिक भूगोल | | | | | | | |
| | कशीका का समुद्र | | | | | | 145 |
| | भक्रीकृतका अञ्चय | | , ज | विश्वनु | तथा नित्रासी | | |
| 3, | चाकीका के देश | | • | | ••• | | 101 |
| बास्ट्रेलिया तथा म्यूज़ीर्लंड का प्रारम्भिक भूगोल | | | | | | | |
| | भारट्रेबियाकी वि | | | तथा धर | ातस्य | | 123 |
| | जलवायु, चनस्वति | | | | | | 158 |
| | चार्रहेलिया के नि | | | | | | *•1 |
| ¥ | स्पूत्रीलॅंड तथा प्र | शास्त्र महामः | 12£ 1 | के करण | द्वीप | •• | ₹ 01 |
| प्राइतिक भूगोल | | | | | | | |
| | इक्षार्थे | | | | | | 511 |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |



योरप का प्रारम्भिक भूगोल

पहला श्रध्याय

सागर श्रीर समुद्र-तट

तुम पह खुके हो कि श्रोल के विचार से येराप कोई मला हाद्वीप नहीं है परन् एक बहुत बड़ा मायद्वीप है जो यूरेशिया के बड़े हाद्वीप में पिद्यम की थोर निकला हुआ है। एशिया और येराप के मेलने से स्थल का एक बहुत बड़ा भाग बनता है जिसको यूरेशिया "इस्ते हैं। तुम यह भी जानते हो कि इन दोनों को एक महाद्वीप राजने के क्वा कारच हैं। प्रथम ती इन दोनों के बीच में कोई "जामीविक सीमा नहीं है। दिनीय दनकी भड़ी घड़ी प्राइतिक दराएँ कि दी प्रशार की हैं। ध्यान टनरी एशिया का बड़ा मैदान परिचम ही थोर थोरा तक फैला हुआ है और इस मैदान के दिख्य की थोर क खती रोदी हैं वे एशिया थीर येराप में इस श्रीर से दस धोर क खती गई हैं। इस श्रेणी के एक धोर एशिया में पैसिक्कि इहासागर है थीर कुसरी थोर येराप में एटलांटिक महासागर है।

यदि भौगोलिक विचार से पृथिया धार मेरप एक ही भहाद्वीप है तो इनका बज्जा बज्जा वर्षन करना क्यां धावरयक है ? इसके सुख्य कारण ये हैं:—

(क) येगम की उन्जीत तथा इनिहम्म शताब्दियों से पृश्चिया से सर्वेग सिन्न हैं।

्स) मध्य में स्टेप के मेहान नथा महस्याही के स्थित होते से बाह्य के बहुत से देश पुरिचा के प्रास्ती में बाजत हा गये हैं। (ग) स्थापार तथा कळा-कौशळ में येरच दुनिया भर में सबसे

भाषिक बजाति के शिक्षर पर है। यदि तुम इन तीने बातों पर ध्यान से विचार करें। ता तुमके

विदित होगा कि मुगोल के विचार से पृथ्वी के किसी खण्ड की बाजग महाद्वीप मानने के लिए तीयरी बान सबसे अधिक महत्त्व की है, क्येकि देश का ध्यापार धीर वहाँ के निवासियों के उद्यम इस बान पर निमंत है कि बड़ी के समुद्रतट, पहाड़, नदियाँ, बार्मी, सदी तथा अन्तवृष्टि का परिमाण कैमा है। इमिक्षण इमकी देखना चाहिए कि मेरप के निवासियों के लिए कला कीशल और ध्यापार में उन्नीत करने के कीन कीन से विशेष कारण हैं।

(भ) स्थान-दुनिया के स्थल गोलाई के नक्ते । देखा । बोरप इसके केन्द्र पर रिधन है जहाँ से यह चीर महादी

के साथ सुगमता के साथ व्यापार कर सकता है। (ब) जलयाय-यारा किन धवारा रेलामों के बीच में है

थोड़े में भाग की छोड़कर पेरत का शेष सम्दर्ध महाद्वीप शीतीए कटिबन्ध में है, इमिजिए अटवायु माधारवानः चारोग्याझक है, के विज्ञामी सम्पूर्ण वर्ष कठिन परिश्रम कर मकते हैं और अपने महादी के बड़े बड़े बाहतिह साधने। से पूरा लाभ उठा सकते हैं। यहाँ न क्रफि समी पहती है म स्थिक सर्दी। वर्ष इतनी अधिक नहीं होती है प्रतिवर्ष बाह चा जाय वा चिकि नमी रहे थीर न इननी कम होन है कि सून्ता पह आप और चकाल का भय रहे ।

(म) समुद्रतट—चेत्रकर के विचार से योरप की सड़ी हैला सब महादीपों की अपेशा बड़ी हैं। तुम पत्र मुक्ते हा कि असं से समुदी स्वापार को बहा छाभ होता है। केशक पूर्व ह कुद्र भाग समुद्र से दूर है। बस्थ सब आग किसी।

ि है। इसलिए जोग सामृद्धिक जीवन से सर्व

र पु चीर समुद्र का पूरा अभावतात है । इस महाद्वीप है

मदिनी धीर महरी की राधिकना है इसकिए समुद्र-तह के ह बन्द्रागाही से माल गुगमता से देशों के मध्य भाग तक ध

(६) धानिज पदार्ध-यारण की स्वाति का एक इ बारण यहाँ के सनिज पहार्थ है, विशेषकर कीयाला कीर कीरा। स्वतिज पदार्थं सेतार के स्ववसाय की जह हैं। योरप में इनका पा पोरप के समुद्र-तट-पोरप गीन कोर में से दी कोर ममुद्र में पिता है। दिएया-पूर्व की चोर के जीवरी सागरों के हाम ता हुम पह ही जुने हो, क्योंकि वे एशिया की सीमा पर स्थित है। पूर्व में कास्तिपयन स्तागह है। इसका किसी सागह से कोई साम्राथ नहीं

है। इस्ते लिए वस्ति इसमें यूराल और बालमा महिला मिसी है किर भी हममें बहुत बस स्वालाह होता है। बालमा मही वे ग्रहाने काला सागर-या दीन गरंग है, हम कारण इसका

पर जा एवं दल्यामाह प्रसारकाम स्थित है वह भी जाहें वे दिनी ती सहैव देश रहता है। इस पर कांधियों केंग्र कुटिरे की ध्वना बहती है। इसमें कारियम्ब सामा से काथिक क्यापार ते. क्टोब कर भूताव सामा सं वासकीरसा, सार-त है, कराब कर कुमान कारात से कार्यकारका कारा ने सागर की है है है है है है है है। जिल्ला ्रिता प्रावर्गत काल सामा देश एकब सामा के साद से का that is not a contract to the west of

to the second se et en promise to be some or man all after the total the to

वोस्य का प्रारम्भिक भृतीचाँ
 भूमध्य स्थापर द्विया में सबसे बहा श्रीर प्रसिद्ध मीतरी

भूमान्य सामार पृत्तिया में सबसे बड़ा श्रीह प्रसिद्ध सीतरी साधन है। इसकी जन्माई र,३०० मीत्र है। यह पूर्वी देशों समा



सो। में इस मागर के मिरे पर एक चूमरे के ट्रीक मानते हैं। महा-ति के मौतर मात के जाने के लिए देखी बहुत हो उपनेगी स्मान हैं।



- पार्य का आंशनक मुगाल

भूमध्य सारार दुनिया में सबसे बड़ा बीर प्रसिद्ध श्रीतरी सागर है। इसकी खन्याई २,३०० मीछ है। यह पूर्व देशों तथा



मूमध्य सागर

वेतरप के बीच में स्वापार का चायुत्तम बड़ा मार्ग है, क्योंकि वह १०० मील कामी नहर स्थेज़ के द्वारा काल लागर से मिला हुचा है।

नक्से में देशों कि योश्य के भी वृष्यियों किनारे पर परिवास की माने नहें नहें मार्थाण हैं। इंटर्सि मार्थीम भी इसके नीधे के द्वीप स्तिस्तिति ने मूनल्य सामार के देश मार्थी में मोड दिवा हैं। इन देशों मार्गी की मिकानेवाल जनविद्याल के दुवा पूर्व की चोर मास्टर द्वीर है जो स्वित्ति के क्षित्रकार में हैं। यह स्थाय बहुत करोगी। है ज्योंकि निजारदर के जनविद्याल चीर सहर पहेंत्र के बीक मार्थ में हैं।

सास्त्र सामुशिक से भी में सातांत से मुख्य सामा हा ना सुरी भाग हो सामों में बंद तथा है। हीतवन सामाद एम मादीय के दूरे में हैं। इसका दिवारा बहुत कहा हुमा है और इसमें यूनान सीपसमूह के भागत मुदद तथा बाताह हो हैं। इसमें दूषाय से सामा थीर होना होग तोट है। इसमें दूमारी वाला का नाम पहुंचादिक सामार है। इसमें समुद्रतक ऐसे कटे हुए सही होगा कि इसमान सामा के हैं। वे चांद्रत्यत के से सामी हैं। इसमें समाद करना से दियाइ था हो दिवार के क्याना हैं के सकी में पे। ये इस मागर के निरेपर एक दूसरे के टीक सामने हैं। महा-पि के भीतर माल से जाने के लिए दोनों बहुत ही उपयोगी स्थान हैं।



पश्चिमी बेारप

भूमप्य मागर का पश्चिमी भाग पूर्वी भाग के सदश स्थण के उन्तर काटता हुआ नई चला गया है इसखिए इस आर त्यापार के बहुत सुनीत नहीं है, पिन नी इसम कई बढ़ बढ़ व्यापार के उत्हानाह हैं। जैसे नेपस्स इटैंशी का प्रसिद्ध बन्दरगाह है। जेनेाझ इरैजी के पश्चिम में ऐसे ही शब्दे स्थान पर है जैमा कि पूर्व में चेनित है। मार्सेट्स दिवयी मांस का बन्दरगाह है। क्पेन पूर्व समुद्रतट पर बार्सेटोना सबने बड़ा बन्दरगाह है। मूम्प सागर के इस भाग के वहे वहे द्वीपों की भी नकरी में देले। सार्रिड निया द्वीप इटेली के, कार्सिका क्रांस के बीर बलियारिक द्वीप

समूह स्पेन के मधिकार में हैं।

जिल्लास्टर का जरसंदोजक भूमध्य सागर के परिचनी मिरे प है। यह केवळ १० मीळ चौड़ा है। जिल्लास्टर का पहाड़ी हुगे जो इस अउमार्ग के उत्तर में है, बैगरेज़ों के श्रविकार में है। इस स्था की तुलमा बदन से करें। जो एशिया के दक्षिय-परिचम में है। दोनों दुर्ग दत्तरी प्रकारिक महासागर चीर हिन्द महासागर के बी के समुत्री सार्ग की रचा करने हैं।

योरप में एटलांटिक महासागर के समुद्र-तट बत्तर की ब्रोर बहु बूर तक खुने रहते हैं परन्तु पशिया के पूर्वी किनारे पर स्टाडीयी स्टफ्त का बन्दरगाह जाड़े में कई सताह तक दिम से बका रहता है थी। इसमे बत्तर में जो समुद्र-तट हैं वे हिम से सर्देव दकी रहते के कारर व्यापार के जिए सर्वधा व्यर्थ हैं। इसके विपरीत योरप का परिचन कितारा हमिया में सबसे चथिक उत्तम स्वापार का स्थान है नार्वे के बन्दरगाह लगभग सारे वर्ष शुक्ते रहते हैं और इसरे महासागर का बन्दरगाह आके जिल भी गर्मी की चतु में द महीं तक सुद्धा रहता है। यह बहुत बड़ा धन्तर गल्फ्स्ट्रोस, धर्मार सादी की गर्म जलवारा के कारण है। यह धारा मेरिसको क साड़ी से निकल कर कुण दूर संयुक्त राज्यों के समुद्र-तट पर बड़त 🐪 है, किर यह मार्ग बदल कर प्रतारिक महासागर की पार करवं बोस्प के उत्तरी-परिचमी किनारे की श्रोर गड़ने छगती है। इस वर्षा बन्तरी पटलांटिक चारा बहते हैं। इसके प्रभाव से समझ ब

सायर भार समुद्रद्रद बरातत पर बुद्द हर तब यमें पानी फेर बाता है केंग्र वे हवाई की रत्ती पुरस्तिक महास्त्रात से परती है गर्ने ही वाली हैं कीर परिपर्नी देत्तर के जनकातु के कपन्त कारोमकर्षक कर देती हैं। हम प्रासंदिक महामारत के के लोक तर की तीव मार्से में क्षेत्र स्वयं है । (1) रहते में इवियों मन धर्मन् विमास्त में हैंनिन्य दैश्य हर के महुद्दार की देशी। इस माप में समुद्दार मुद्दीत बीत मीबे हैं। इसमें बेरम एक मारों है जिसके बिस्कों की साड़ी बढ़ते हैं। यह साह्ये दाहा के बिन् बहुत ब्रायतिहरू हैं। इस सनुद्रता बंबरंबरंबन्तरह हिसबन बेर ब्रोरोटें हुनेयह में बैत दोड़ी मांत में हैं। ये सर बन्तवह बहिते के मुहाने पर न्दित है। (१) घर नक्ते में रतते भारता नर्वे हे मनुरत्तर के देने। यह करून मेंडरी बाहिने की होते होते होते होते से बरा हमा है। इस समुद्रमाद को एक कोए समुद्र की लहते ने कीए हुमरी केर रहिमें के प्रचार बातकों ने बहुत कर हिरा है। जर्म कारों के कर कर का दिसा है की क्यों कानी के महा सने दिना है। इन महिने के कपर इस केंग के समुद्रमा का राय कपन मुद्र की रामको विदेश होता है। यह का सिवर्ड कर के नाम में प्रसिद्ध है। इसकी नहत्त्वार की युद्ध बहुई हामा, के हम बे नेश का पत्रे ध्रंही, इदेत सागर केन्स्से ब्रेस्ट्रही काफी हमका पह राज करों पहा है। बक्की गाँदी हा रह बहुत हुए . का हुम है जलुबा आजे के राज की है करें के हर ज श्रुव स्टूम स्ट्रां है जिस्सामहा सा सर स्ट्रा स्ट्राई के ल्या हरू क्षित र हार्य । इस राज्ये का राज्यक के कि स्व अपूर्णिय क सम्बंद कर है। इसकि नेक्स हम हों उसके इस ना व बहर स्वयुग्ध बारे हैं



बरानल पर बुख दूर तक गर्ने पानी और आता है और वे हवाएँ जो इसती प्रलाशिक महामागर से चलती हैं गर्मे हो जाती हैं और परिचमी

भेररप के जलवायु को भाग्यक्त कारोग्यवर्डक कर देती है। इस एटलॉटिक महासागर के येरपीय तट की तीन भागों में

हम प्रलोशक महामागर के पारधाय तर को तीन भागा म चौर सकते हैं। (१) प्रकृते में इंडिस्टी भाग क्यांत् जिसास्टर में हैंग्जिय चैनेज तक के समुद्रतर के देखे। इस भाग में समुद्रतर सुद्रीज

धार सीधे हैं, हममें बेचल एक साही है जिसके विस्ते वी साही कहते हैं। यह साही साम्रा वे लिए बहुत कापसित्रतक है। इस समुद्र-तट वे बहे बहे बहरसाह लिसबात बीस क्रोपिटों प्रतेगाल में धीर

वं बहु बहु बहुरगाह हिस्सबन बार कार्याटी पुतेगाल में बीर बार्टी मुप्तेस में हैं। ये सब बन्दरगाह बहिरों के मुहानी पर रिक्त हैं।

(१) घर मक्से में इत्तरी भाग या तार्वे वे समुद्र-तर वेर ऐसी। या धासेन्य संवरी साहियों धीर होटे होटे हीचें से बता हुआ है। इस समुद्र-तर वेर एवं धीर समुद्र वी लहते ने धीर मूमरी धीर तरियों वी प्रच्या धीरायों ने बहुत वार दिया है। तमें चारों वेर वार वर बहा दिया है धीर वहीं चहाती वेर समुद्र तहते दिया है। इस माहियों वे वारम इस बीर वे समुद्र-तर वर हाव

दिया है। इन माहियों के बारण इस क्षेत्र के समुद्र-तर का दश्य कथान मुख्य केंद्र राज्योद विदित होता है। यह तर वित्याप्त तर के नाम से प्रतिष्ट है। उन्हीं सहायागा की एक बड़ी शासा, जेर कम के कीवर तक बार्ज नहीं है, इसेंग क्यापर के नाम से प्रतिष्ट है। कमानेर हमका यह नाम करो पहा है। वर्षाय नहीं के कर बहुत मुझ क्या हुआ है पानु कह जहारों के तामक नहीं है करों कि इस पर

बहुत बहाने पहले हैं जिससे महा यह स्था पता कहता है कि उत्तान हमी दक्षा के जातें। हम नह से एक गुण करता है कि यह उन्होंनी का मुश्चित का है। हमनिय है वह गुण करता है कि यह उन्होंनी का मुश्चित का है। हमनिय है कहा होगे होते उत्तान हम नह या सहनों पहले कारों है।



सागर भीर समुद-तट

ा जल के भागों का मिलाता है। यह केवल ४१ मील बौड़ा है। इ लिए तेज चलनेवाली नावें, जो हैं लिलतान झार फ़ांस के बीच च , बरती हैं, एक घंटे में पात्री की इस पार से उस पार तक पहुँचा देती हैं थाल्टिक सागर नगरी यारप में बहुत यहा भीतरी सागर है

पह उत्तरी सागर में यहुत से जलसंवीतकों हारा मिला हुया है। इन ह जल-संयोजको की चक्रारदार यात्रा को कम करने के लिए जटलंड के हो। भाषद्वीय को, जो उत्तर की चोर स्कॅडिनेविया की दे। शासाम्रों में चला हा कर कील की नहर निकाल ही गई है, इसकिए

देखा इन सागरों के सम्पूर्ण बड़े बड़े बन्दरगाह नदियों के सहानों पर हैं। नक्रों द्वारा उन नदियों के नाम ज्ञान करों जिन पर लेनिनमाद या पेट्रोग्राष्ट, डानित्तम, हैम्बर्ग, राटर्डाम, धार हावर प्रसिद्ध षाल्टिक सागर श्रीर भूमध्य सागर की नुलना

(1) ये देशों भीतरी सागर परन्न भूमध्य सागर बहुत गहरा यह बाहिरक सागर से ६ गुना महरा है, इसकी साधारस्य महराई १० प्रीट है। यह

धार सी गुना गहरा है। यह विषुवत रेखा से दूर है इसलिए वत रेखा के निकट हैं इसलिए इसका गछ समुद्र के गछ की ।। बल निर्देश हारा इसमें भवेषा कम सारी है। इसके है बससे शिवक कल भाप कल की एक धारा सदा दसरी नाता है। इसका अल मागर की घोर बहती रहती है। है। एक धारा ९८-महासागर सं इसमे मत्यक वी रहता है।

(-) नृत्यम सागर श्रामी (१) मान्दिन सागर श्रामी स्थित क कारण पूजिया का मध्य केय र स्थानिक स्थापार श्रीमा है। स्थान न सागर है.

हम प्रकार नृत करत नका में तैसा के समृत् नह के बार्स की वि री-ती कर कर पर पार स्थान हम स्थानित है। हम दीन दिस्त हों कर्मन पर में स्थान हों हो हम दीन दीन का हुँ कर्मन पर मके हों कि मार्ग का समृत् की विश्ववा केंग्र के दूरन मुख्या का स्थान का स्थान हो दिस्त का हुँ

ा रती दारा इस्पी पान वा नकत के बसक सा विदिश्त होती पद यह है हैं हैं-एक स्टूट नट सरक जार व डिस्टाइट व डिप्पट के स्था कर्य नद रिटा में भीकेंद्र करना है इसका सुम्म कारण वह है कि सुद्धीर

के करण का नाम्या के स्वाप्त मुखे दुत है। तम्मी कर का दूर कात का स्वन क्षेत्र किया है। सकती का नद्दा तर के नामीन बद्दा जा को की विद्या है से समूर्य में का नुका नद्दा की किया का जबन रहता मुलाबन सम्बंधिक

14

ment of the state of state and institution of the state o

का हर है जाने के कहा है है कि स्वर्णिक हैं। जाकरण अप के के अर्थित है के स्वर्णिक हैं स्वर्ण वर्ण

* *** *** * * * * *

وين في ويزماد

दूसरा अध्याय

माऋतिक भाग

प्रिया के प्राकृतिक भागों का हाछ जो तुम पहले ९९ औ दहराची । देली देनी दशायें वेशप में भी हैं ।

१--उत्तरी पश्चिमी पहाडी शेली या पटारी माग। २-उत्तर का बड़ा मैदान।

१—उत्तरी परिचमी पहादें। की श्रेणी-पह स्केंडिवेर्ग

३—दक्षिणी पहाड़ेंगं की श्रेषियों या आल्प्स प्रदेश।

४—दक्षिणी पहाडी मायद्वीप।

प्रायद्रीय की सम्पूर्ण लज्बाई में केली हुई है बीर वहां स्केडिनेरि के पहाड़ के नाम से पुकारी जाती है। यह भेली उसरी स की तह में जाकर फिर निकेल पढ़ी है और तब यह स्काउल है पहाड़ के नाम से प्रमिद्ध है। हर्देंदिनेविया के पहाड़ प्रख्रीरिक र सागर को चोर बहुत जैवे हैं बीर बाविटक सागर की चोर बहुत । हैं। बतामी नदिये पर इसका क्या प्रभाव पहेगा ? नार्वे में । कोटी पहाड़ी निर्दर्श हैं जो बड़े बेग से बहती हैं। ऐसी होटी। नरियाँ नक्तो में नहीं दिवाई जा सकतीं। स्वीदन की नदियाँ भ सम्बर्ध हैं। इस मात में घेनर मील सब्से बड़ो है। यह ना शास समात से मिला दी गई है।

र-योरप का बड़ा मैशन-वह इस महाद्वीप है निशाई मारा में किया हुमा है। यह जगभग विश्वकाता है। की संग्र कम में यह महान मध्य चित्रक चीड़ा है। वहीं

बार्केट्ड महामारर म बंकर कार्केरस पहाडू तक चता स्था



सिन्द्रपीदर्संबर्ग कहते थे। चव इसे सैनिनमाड बहते हैं बस समय वहाँ बहा एजदल वा दुमलिए नई राजधानी की हमारते के बताने में लाखें छट्टे गाई गावे थे। कारियवन सागा के बता रें सी मील तक बीर प्रिकाम में कुछ हिम्मा ममूत्र की सतह से नीय है। यह स्टेरी देश करलाना है।



मृहदुर जी का एक बॉध

तुम बक्ती में इस बहे मैदान की निर्में की देखों, तो नुकते र बाज निवाहें देंगे। इसरी बाज बीटा की व हंखारी नाज दम्न है। हु स्मित्रें जाजें के मौता के सीता के देखों। यर दर्षणां वहाग के बात बात्तर कारपियमन पहाड़ नक बना गई है। इसरी बाज की बा बहे निर्माय विस्तृत्वा, यहाद नहान सीत याद स्वायन है। बातना सीर नीप्द दिख्यों की बना बहा निर्माय है। बातना मिर्ट विस्तृत्वें की समान निवाह में स्वायन है। बातना मिर्ट विस्तृत्वें की समान नामन में

चिरुचुन्तर नदा देवताक संदानों भागवन तना संदाक बहुनी है। इसमें बहु। स्वापार हाना है। परस्तु जांद का ऋतु से व



रहती है, किन्तु गर्मी में इस पर जहाज चलते हैं श्रीर यह . व्यापार का मार्ग वन जाती है। इसका कारण यह है कि क के निवासी नावों पर चटना बतना ही बत्तम सममते हैं जिता

कि रेल-गाड़ो में। इस नदी के डेल्टा पर एस्त्राखान बसा है। मीपर वन नदियों में सबसे बड़ी है जी रूम के गेहें बपजानेवा प्रान्तों में बहुती हैं । वालता की भांति यह नदी भी जाहों में कई सस तक जमी रहती है।

तुमकी स्मरण होता कि नदियों के दे। बड़े काम, खेती चौर म्याप में सहायता पहुँचाना है। यारप की नदियों के वर्णन में इमने स्यापार का लाभ बताया है। इसका कारण, जैसा कि तुम भा भप्याय में पड़ेागे, यह है कि महाद्वीप में जलबूटि अजी भौति होती भीर नदियों से सिँचाई करने की धावस्यकता नहीं पहती।

३--दिलाणी पहाड -- नकरों से इटेनी की हुँडे। जैसे पृति में हिन्दुस्तान है बसी प्रकार योरप में हरेती है, और जैसे प्रिया सबसे जैंबे पहाड़ हिन्दुस्तान में हैं बैसे ही थेररप के सबसे ऊँचे पह इटेजी के बसर में धनुष के बाकार में फेले हुए हैं बीर उत्तर-पूर्व टण्डी हवाओं तथा दरमनों के बाकमणो से सरदित किये हैं। 1 पहादी श्रेथी का नाम आल्पस है। इसकी श्रेथियों भी हिमाउप भेषायां की भांति समाजान्तर चला गई है। इस पहादी भेषी इस पेरप की रीव वह सकते हैं। स्विटकरलैंड का देश हा पक्षादियों पर चात्रात है। ये पहादी श्रीलया द्रश्चिम, परिचम, व बीर पूर्व बारों बार के देशा में फीना हुई हैं। धपन नकरों में बाक । बी प्रतिद वादिया प्रान्ट ब्लेंब, वासजेत, ब्लेंब फारेस्ट, ज मेंदर हाने, तथा वृत्ती मालाये, मा विन्डस रेज बार दिनारि भारपस के नाम म प्रमिद्ध है, दमा ।

मान्यस को श्रीशाया दिसाउप की श्रीशायों से बहुत छोटी

... किन्तु प्राकृतिक दरय म दाना बरावर है । हिमालय की मौति बाहर



चटियल चटार्ने हैं जो चहुत कम डाल् हैं। इन दर चनने के ति वेराय के सम्बूचें भागों से लोग चार्त हैं और अपने अपने कर परीचा करते हैं। प्राष्ट्रतिक दरय की धर्माम मुन्दरता के कारव ह भारचर्च दें पहि लोग स्वयुज्यलेंड के पहाड़ी देश को कारासी की माँ

सक्ती रमबीच सम्बन्धे हो। भाजपुर पहाह की श्रेषियों ने का रिवर्ज़लेंड, हरेजी, जर्मनी भीत श्राहित्या श्राहि देशों के प्राहर्ण सी-दर्प की कहा दिवा है। इन देशों में माजनून की सिमाईने पी. इन. पी. प्रक्रित करती हैं। इन नहिंदी नहिंदी राहना रीच्या

यों, इन, भीर पश्चित बहती हैं। इन निर्देश की अज्ञाह । भिक्त्युरुंदेंद्र के एक कारोबारी देश बना दिशा है, यदारी वहां केत नहीं बाग जाता। । मेराप ऐसे बान-जानी सहादीय में यह बाबस्यक है कि दक रें इसरे देश के साथ बुनामता के साथ बासाय कर सकें। बाहयस पर

ह्त बाज में किसी प्रकार को रकायर नहीं जारते, उठारे सेवार कार्त हैं। वक्तों में देशो बागलत पहाड़ में कई दें हैं जिनों में में बात हैं हैं। वक्तों में देशो बागलत पहाड़ में कई दें हैं जिनों में में बात है जो बात के बात है की उठा के बिल्या है कार्स में बात हैं हैं। सिस्सन नामी एक ग्राप्त की छलाई १२ मीट हो माउन्द सैनिस नामी दें की ग्राप्त की मीट तमारी है। बात माने को उठा मारी है। इंग्लूट से सिन्दुस्तान कार्य का

जिस नगइ एशिका में कड़े बड़े पहाड़ों की श्रेणियों एक यहा केन्द्र से बाहर की ध्यार निकलों हुई है, डीक उसी भौति येगय सम्बद्ध देखियों पहाड़ों की श्रेणिया धाल्युस से निकलों हुई स् इंतरी है।

क्षार की चार हारें होटे पहाड़ चीर प्रकाहिया जर्मनी के हिन्न चाचे आग से फैटो हुए हैं। जर्मनी की परिधमी सीमा चास्त्रहें पहाड़ हं। दुसक समीर जुदा १९ टेक्स ।



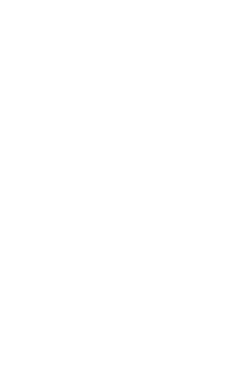
वजी गई है और इसके मार्ग यह कर कारपेथियन की भेग मिल गई है। यह एक हजार मीज लग्ना वहाइ एक पतुत्र के स में होंगेरी को मैदान को धेरे हुए है, और बोदीमिया में य के दिख्यी कारों से मिल यहा है।

काफ पर्वत और प्रिया केवक के द्वारा बेरप के र पदाद प्रिया के दिवयी-वरिवमी पदादों से मिले हुए हैं।

द्विकी पहादी देश की बदी बड़ी निर्देश-डिन्यूच भी। सादि—को नक्शे में देशे। यश्वि हैन्यूय का उद्गम अमेनी में गुहाना रूमानिया में है, किन्तु वास्तव में यह चास्ट्रिया चीर ! की नदी है। यह इस सारे देश को अपनी बड़ी बड़ी सहायक व समेत सींचती है। सच तो यह है कि डेन्यूब योरप में सबसे हैं लाभदायक नदी है। इसका वेसित बहुत उपजा करें। वशिष ह में बांगटिसीस्वांग की चाची है किन्तु इसमें जहाज बहुत दूर भाते जाते हैं। यह नदी भपने मध्य भाग में एक सँकरे पहा के बीच से बड़ी कड़िनाई के साथ अपना मार्ग बनाती है। इस के। आयर्त गेंद्र या लोहे का फाटक कहते हैं क्योंकि इसकी बहुत कड़ी है। धव इन चट्टानी की काटकर एक नहर बना है। इसमे इस स्थान की प्राकृतिक स्कावट आली रही। मन दन बड़े बड़े नगरों को हेमा जो इस नही के किनारे पर हैं। धारिट्रया की राजधानी वियाना, हंगेरी की राजधानी बुडी धीर वीगोस्नेविया की राजधाना बेलप्रेड । मुहान के निकट क्स भाग जनवरी चीर फरवरी के सहीतां में वरफ से बक जाता है तिननी योग्यीय नदियाँ भू-सध्य मागर में गिरती हैं उन सबसे

जितनी योग्योय नदिवाँ भू-रूप यागा में सिरती है इन सबसे रीन है। नकरों में देशने से विदिन होगा कि यह एक उससी में बहती है जिसके देशन कोर पड़ाह है। यही कारख है कि: धारा बहुत तेत्र है, भीर हमते जहाज चळाना अधनत कठित

रीत की बाटी फ्रांस का एक उपताक तथा कारीबारी प्रान्त है।



वैतर का प्रारम्भिक भूगीज 22

⊌—वहें मैदात की बन वही वही निद्यों के नाम बनायों व इसको (क) बत्तर की चार सींचती है (स) दिचल की चीर सींच

प्रदेशों की भिन्न भिन्न शेंड वा रह से रेंग दो। २—एक बहाज़ कीज की नहर में होकर लम्दन से डानजिंग जाता है धीर दन ब्रास्टीयाकों की शह से जो देनमार्क के स्मार्ट लन्दन और माता है। अपने नक्से के पैमाने की सहामता से बता कि होती प्राणी की लम्बाई में क्या चलार है।

हैं। इनमें से किन नदियों के मुहानों पर बन्दरगाह है ! र---तक्रो में दैन्यूव नदी का मार्ग हुँदी। यह बालगा व से क्यों चर्चिक लामदायक समसी जाती है ? नक्से में देल बताधी कि इसके किनारे पर कीन कीन नगर बसे हैं।

1 — पेरप के लाके पर बड़े बड़े पहाड़ों की श्रेणियाँ भीर ^{हा} बड़ी महियाँ दिलाबी । इन नहियां के पहाड़ी, मैदानी तथा डेस्टा

द्यभ्यास

तीसरा झध्याव

नलवायु और बनस्पति

वद्धि बंगर बंगर वृद्धिका स्थात के एक की समूत्र है बंगा हरकी बनाबर क्षा बहुत किलती-कृतती है ती भी दनहें बनवायु में बहुत बहा बाला है, दिसके बहुँ बारत है। यहन हो यह कि प्रतिका क्ला शुर कुल में विष्टा रेसा तह हैना हुमा है भीर दुममें सह हार का कावाद एका कावा है। पान्तु केंगर तरावण समूर्य नित्त बरिटम में हैं इसमें बेडर एक बादम होता सेवस मार ला के हेर्द मांग हो है। इसका कार्र माना दुनिया के बार्न महार है रों हे तथानि हमने हेल्ले में बहाँ बीटर टेटक बीर बहाँ बीटर त पहल है। इतिया दुविया से सम्बं बहा महाद्वार है। इनहे करीं बहुत बस सम्में पर बरे हुए हैं कीत हमने बहुत से प्लेस है. कर देशके कार्यकरा मांग्सी हिन्से का जाकातु कराम हेंडा कर क द्वार सकती है। या देख है है होता है। सामी है। विकार बहुत में कारी हा बार हुमा है करा बाजर की the at the eye and there the thinks की त्यां का की मही करते ही क्षा होता है। मिला है महिन्द के हरा स्मापन है होता है विकास and the state of the state? e f ten tiene. a ce e' ten ien Anter shorts ton at mile side entitle





पाता कि सूमि बकुँ से बक्र जाय और आहे में कोई कुलान न पर सहे ।

(१) समूत्र से दरी-परिषम में समुद्र है इमित्रिय है भ्रोत के देशों का जंजवायु मामान्य है, परन्तु पूर्व की भीर जाड़ी श्राप्ति जादा पहला है। यहाँ तक कि पूर्वी समा की बंदक ऐसी।

करित होती है। जैसी कि परिषमी साहशीरिया की। (३) हवाओं की दिशा-इवाओं का भी प्रभाव ऐसा वहना है। वहाँ वर कविकतर हवाने दिवस-पश्चिम से बाती इनके पड़्डांटिक ब्रहामागर के बीच के गर्म पानी पर है कर अन

पहता है, इसजिए परिश्वमी देश इन इवाओं से गर्म है। जाते परन्तु वे इवार्षे क्यों क्यों पूर्व की धीर काली हैं रंडी होती जाती है पूर्व की चोर के रीतान शता-पूर्व की देवी इवाओं के कारण आहे.

बहुत रंडे चीर गर्मी में शुष्क वा मुखे रहते हैं।

(a) जालन्दि-रिचवी-परिचारी दवावे समुद्र से सार म हुई बानी हैं, इवित्रण वरिवासी देशों में बाप्ती जरहार हो मा है। दिन्तु बेले बैले वे हवावें पूर्व की क्षीर चलती हैं जलहीत हैं। क्रजी हैं, बीर इस कारण से स्वर क्रप्रपृष्टि बहुत क्रम होती बरन्तु सेरान का कोई भाग देशा नहीं है जिसमें कुछ म कुछ में

वृद्धि व इंग्ली हो। इसके देर कारण हैं --- (३) वे इशायें हमा बार देश के बीशरी बाग की बोर करती हैं। इस्वित में बा रंदी हंग्ती रहती हैं बीर दरे बापु का यह मुख है कि हमतें ब की मार रामें बाधु की करेगा करून कम रह सकती है। (१) वह की बेची कोई तो। क्षत्री क्षांने से नहीं सिन्तरी दिवसे दक्ता कर हुन

सम्दर्भ कात्रमा साम हो से मह हो साथ। इस्थिए इस सैहान के प्र बार्ग में हुन् न कुन् मरपूर्व स्वरण हाती है।

र्जानका करता के हैत / र प्रथम अवस्थित संबंधि

कर्नद् इलो से प्रत्या स्थामा स संरक्षण दा प्राप्त कवाद् हता



भागमा कुन बड़ जाता है क्वेंकि इन हवाओं की आर ' पानी से भय में बरस जाती है थीर स्वाधी गर्मी इन देंगे के देंगे मण्डल से गर्म कर देनते हैं। इस प्रकार यह बहुता हवाँ दिक महामागर के क्या महेरा की तरी तथा गर्मी गोरा के देंगे में जान करती हैं।

म आग करना है। "
(१) गरुकू स्ट्रीम—इम चारा का प्रधान चेगर के ग्रें ऐसी के जरुवानु पर पड़ता है। इस घारा के कारवा गरिकारी है का जरुवानु मामान्य सर्घा कारियन्दरेक हैं। जाता है, थेगर परिक ममुद्र इनसे अब प्रदेश तक जनने से बच जाने हैं।

मध्य करता प्रवाद का जानन साथ वात वा । इन बानों में पिद होता दें कि जटमायु के विधार से बेरां बड़ा मेदान दो आगी में केंट सकता है (क) परिवासी भाग । जटनायु मासाम्य दें भीर जिनमें जटकुटि क्योंबक दोली दें (ल) भाग जदां जटनायु बंदा दें भीर जटकुटि कस दोली दें। इस

(न) पूर्वी माग-नदी का जातानु देश है। ज भागान होती है। (०) पश्चिमी माग-नदी का जातान मानान्य है थीर

स ८६ है भीवद होती है। (ब) वृश्चिमी या मू मध्य शागर का मदेश-अही का म

(व) द्वाक्षणां या मू मध्य कागर का महेरा-नदा का म गर्न है पीर अटक्ट रिशेच बर काई में कविक होती है, परम के दिन मुखे तथा गर्न बीतने हैं।

चेत्रपति—पह (१०) के तामा तक्षणों की गुण्या को भाग्य व गम्भ 'क वहाँ विशा करणां है कहा नेती काले हो क्षणों वेदान क दुर्ग भाग्य वे १९० काण कर काले सात व्यक्तिक सम्भाग कर काला चे चूल को पार काल भी भी हाई ककाल वहण जाना है को हमी के व्यक्त को पार काल मांगी नहां ने

عنعث وتذوشن

त्या के कार्यक्र कर्म तर क्षेत्र किया है। कार्य क्षेत्र क त वहां को का काव हता है, केरन का के तर है। (1) हुंब्रा कर के त्या हुई है है है है है है है ति कालाई। क्यां न केंद्र देव का सकता है केंद्र न क्यां का है। तम है दिन है भी दिने का मेर्च का देता है तिहें हार्राव्ये हों स्वितं कर्ते हैं। बेल हे सा क

सम्बद्धाः है बेत सां हे लिया है। बे ति प्रदेश के हुन के विश्वासी की कार्य का केंद्र की बनावर हो। रावता राष्ट्र संस्त करेंद्रे। (3) give the state of the spirit of the ति हर केल के में स्टब्रे क्यां करते । महित्र काल के स्टिंग्स

कर वर्ष का पुरा का कर में हैं के बार का दिए कर है। स्टिंड the matter with the same time of the same of the मा हो सम्बद्ध है। की बनावर बोह है। एस हा मान है the feet of the many and and the feet of t के त्या है। है के दिल में किया है। हर क्या एक है which is the second of your control of the second of the s the site of the state of the st (1) बराई है नुराय कर करकार क्यां - रह कर की

the to the state of the state o Considering the same and the same of the s and the angle of the areas the state of the s

1.

भित्र भिन्न प्रकार की सेती होती है। परिचम में गेहूँ तक श्राधिक होता है और पूर्व में छोट थार हाई बलव होती है। में खुकन्द्र बहुतायत से बोया जाता है। इसमें शहर बनाई है। यहाँ चंगूर की लनायें भी बहतायत से क्षपन्न होती हैं। मैदान में घटने के स्थान श्रविक है, किन्तु परिचम की बोर के के स्थात कस के चरने के स्थानों की बायेचा बाधिक बरखें हैं। .



भैगरेंड तथा हुंडा प्रदेश में 'हेनडियर' सुक्य धन हैं में जी भंगात पाने मार है उनके पेड़ जाने के बारक्त होने के पहले हैं अपन पन तिश हेते हैं । इनमें स चोक या बलून, बीच चीर हैं सच्य है।

(४) स्ट्रप क संदात-व मंदान रूप के द्विम में हैं, वैशिष मामा क विकट व महान हमी लॉल क हैं तिमें कि प्रिया के हटेप के हैं बड़ों के निश्नमी रशुक्र' हा चरान के ब्रिए एक म्यान से नुसरे स्वान काते हैं। काले सागर के उत्तर में वहाँ जग-कृष्टि मजी मांति । है लोग संगी कर सेने हैं। यहां गूमि के ऐसे दुम्हें हैं वहाँ | क्षूतायन से उत्तक होता है, बीर रूम में सारी दुनिया में मेंता । है। यहां गेहुँ की कृपन जाड़े के बान में बीई जानी है जो | बी प्रोम-बादु में कृकर एक जानी है।

(१) मुन्मन्य सागर के देश--रूप माग के मनुदन्तर के मैरानों कोची बारियों में येहें, महा धार कपास बिपक होती है। कि दिते में यहां भी फल बहुत पक्षे हैं। इस मान में आँगुर हें देता देतारों महिरा धिक परिमाए में दराई जाती है। तुन से बेच निशाला जाना है की गृहतूत के देही से रेराम के हों हा पालन-रोपए होता है। सारे पेरत में हटेडी चीर प्रांत म के कारवारों के लिए प्रसिद्ध हैं। इस भाग के देशे में यह गुख ता है कि इसकी बहुँ सम्बी होती हैं ताकि बहुत राहराई से समी त का मके कीत रन पतु में भी दोतित गर सके यह वर्षा नहीं ती। इनकी परिवर्ग मोटी होती है जिसने सुर्व की किनलें इनका नी डॉस्ट्री नहीं मुखा सबती । क्षीय-अन्तु-मोरर में बहती बीर-बन्तु बहुत रम पारे जाते । इसका कारण यह है कि यह इतना बना बना हुआ है और ती का बाम इतना होता है कि इनके रहते के लिए बहुत बम स्थान इयन है। सबेद रीव और कोमदियां हुंदा में रहती हैं। यो

ह यस है। समृद् रायु भार सामाद्दा हुंडा में रहती है। यी । परिपत्ती पोष्ट के बहुत में देशों। अञ्चली सुमार दूना करते हैं रुत्तु सम, उन्नेंगी मेंगा देन्यूद नर्ग के मैदानों में सुमार बहुतावत । याते अले हैं। मेदा कंता-भी रचेल देनकात मायद्वीप आम रेग अमेलों के उन्नया एकता मान कहा में मेदान में पेलत । मेरा उद्याग देनका मान मान के या प्रदेश का में प्रति उन्ने पहणा पर साल है उद्याग का भी माण्डिका है। अल्पाद दिया के पराण पर विस्तान हो। देनका के प्रमाद वहन प्रमा

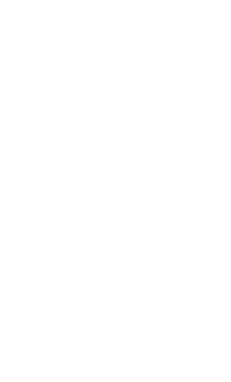
चीया अध्याप

यारप के खनिज पडार्थ, ज्यवसाय श्रीर वाणिश्य तथा जन-संख्या का विनम्ण

तीन या बार सी वर्ष वहले पेशव के बाहर नेशव के की से के नात के कि नात के नास के का नात के साथ के की से के नात के ति साथ का कर जानमा मारे कैसार के लिए के तात के तान के तान के तान के ति का कि नात के तान के ति कर कर के नात के ति कर कर के तान के ति कर कर के ति का ति कर कर के ति का ति कर कर के ति का ति कर कर की ति का ति का ति का ति कर कर की ति का ति

व विशय क्षेत्रके कारण सात की है। सुन सेराय के प्यत्माद खीर वादिश्व के जियब में विश्व के इसके देशों और असार के साथ साथ पहेगो। सही वा इस विवय का सुन्न वर्णन करने हैं।

स्पतिक पराधे—हम रेग थी श्ववसाय-सम्बन्धी वर्षः धावसं धार गरेन सुत्र सात विवाद है। ये रोजों स्वित्र विदाद से स्वाद स्वाद से स्वाद स्वाद से स्वाद स्वाद से स्वाद स्वाद से सात विवाद से स्वाद स्वाद से सात से स्वाद से सात से



मैंगवाता है। जो चीजें बाहर भेजी जाती है उनमें मशीन, मां भीर जनी करड़े, रेशम भीर शीरा। सुन्य हैं। ये सब की अफ़ीका, हिन्दुमान, चीन और चन्य बच्च कटिवन्य के देशों है जहा स्वत्रमाय-मध्य भी उन्नति सभी नहीं हुई है, भेनी जाती में चीज़ें जो बाउर से यहा मेंगवाई जाती है उनमें स्नाम पर जैदे रोहुँ, चावल, इत्यादि मुख्य है। कचा माल जैसे रहें, धर्म भीर बहुत से स्वनित पदार्थ जैसे मोता, चांदी धार मिरी तीय सुरूप है। चाप भी बाहर से आनेवाजी चीज़ों में से है

बंद ग्रीटब्रिटेन तथा बेहरा के भ्रम्य देशों में ती सबकी सव कर से ही बाती है। इन चीजों के कतिरिक्त प्रकृति (क्रोपिं लिए) भीर नीज भी बादर से ब्रानेवाली मुख्य बीजों में नि जाती है । तुमने पिछती कथायों में हिन्दुश्नान के समुद्र-तट की काल्पनि यात्रा में ध्याने देश के करांची, बन्दई, कठकत्ता, रंगून और केंग्र बन्दी। पर सैक्ट्री विदेशी जहाज़ों, मुख्य कर हैंगलैंड नथा थेरप के क वैशों के जहाज़ों की, हि-नुस्तान का कबा माछ ले जाते हुए धीर विशे का व्यापारी साठ डेंड्रेटने हुए देला था। हिन्दुस्तान में ऐसा केर्ड बाड या द्वेरटे से द्वेरटे गाँव न मिल्टेंगे जहां वास्पीय देशे। में बनी हुई के न कोई बन्तु मुख्य कर कपड़ा, लोहे वा कवि की वस्तुएँ, और दि सटाई न प्रवेग की जाती हो । इमारा देश येारपीय देशों के कड़ की राज का सबसे बदा बाज़ार है और वहाँ के निवासियों के लिए ह

पैदा करनेवाला देश है। इमारे देश के किसान विदेशियों के वि गेहूँ, चात्र ठ, कपाल, सन और जूट हरदादि पैदा करते हैं श्रीर इंस बद्दल में निर्देशा के, विशेष कर में।रप के रहनवाले कारीगरी सथा श्र बीविया € बनाय हुए €वद, ठाइ वा काच क सामान प्राप्त करते हैं श्राद्वा । तत्र ता व्यवसाय तथा वर्शकात्य न युत्र तथा परिचम के हैं में एक प्रकार का आजनाय अपन कर दिया है आर एक दसरे

en de designe des desir la desir.

कार कार्या के कर मुख्या गार्गा के दिन दिन्ह राज्य थे गाँउ अर कारका अस्तर कार्या कार्या गार्ग्युव्यवस्था गार्थि संग्रही के

The state of the s

e ans





1=

से सन्त्रों सीज दूरपर स्टन्शांके कृषक के खेत की पैदावार क्रयें प्रदेश के लिए प्राप्त कर लेते हैं।

जन-संक्षा का जिन्यास —ने गांव देशा से सामाई के विज्ञान वर्षा पाति । इसार जाता कि तुमाति दुग्यान सीस प्रतियाने देशन साथे हो। वेशाया गायती का लेल्या। वेशा राज्यानासे के पाय होती है। समुद्र-नद तथा सर्विष हो धारिता को सामाई संबंध होती है।

योरप के यन बाबाद देश निश्चलिकत है। बनका नक्ष्में है देखा धीर बन के धन बाबाद दान के कारण मालूग करो।

1 —सीन चीर सहन के बीच का समुद्र नद

रूप थी। तहेंनी हो जन मन्या पूर्व हू पूरण् धेरनिरेन से परिष् है। इनाम हरेंगी, ये। हेंग्र, धीर पीन को न्यान हन हेंग्री के जब है। इन परिष्या से बीता के नीम धीयाई सनुष्य रहने हैं। वान्तु ने /जियम सब देशों से चरिक्क पता देश हैं। हुससे प्रति

वान्तु बेर्गाजनस्य सब देशों से श्रीचिक पता देश हैं। इससे प्रॉन इडड़ भूमि में एक मनुष्य का भीवन है। उन्हम स्वार की जन-सेन्या वान्य के बहुत से हमों से श्रीचक है। जार बसारे हुए देशों के शर्वीक दर्गान्या, मुनेशर्विका श्रीड केशेन प्रोवेडिका ही देसे इस विकास सन्मेश्या अनुस्व सुर्माह है।

अक्ष ५—मेरप के देश दिन ब्रांगा से ब्राजनकर क्षेत्रति के शिवर कर पहुँच तब हैं र

े — रेश्व इ.स. इत्यानियम पुर्व तथा क्षेत्र सहित्यन है इसे १८ वर्ग गण मान्य १५ हर साह है है

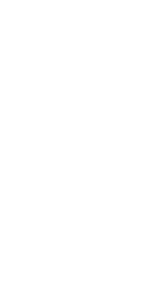
र्था राज्य राज्य सम्बद्धाः । चर्च वर्षाः चर्मा वर्षाः स्थाना वर्षाः वर्षाः

بشش دو ته ؟ شتع the section was need which but का है कर हम्मी में देशन देश से हैंग का का सेन देन et. 6.2 e et feier eit tiert Treif

स्ति वर्ष के स्वास्ति के स

Ent & fat

Ern en an eine eine er eine gene ein ein er ein eine ein e en (1) in a dis en trace (1) tale (1) tale (1) tale



कम है चीर इस देश दर के शिंदान बाश्यद मागर की कोर नियंत्र हैं जमने करियों चीर कोतें हैं । यहां के लोगों की बड़ी सम्बत्ति कर, गार्न कीह सद्वित्ते का पश्चन हैं । चर्ल में नेपा इसामती राजाड़ी ही नहीं



TERM AS A ST. S.

राक्षेत्राहरू । ४००० हेर्याच्या ४४४ । संस्थानसम्बद्धाः १ तः संगोधाः सम्बद्धाः



हैं। हेनलाई से हैंगरेंड को इनि वर्ष 10 लास बानवर कीर लगमग हतता हो केंद्र फार १२ करोड़ कड़े मेर्ड बार्ड है। जन, साह, हड़ी, देश सीतों में भी इस देश की बहुत घन मात होता है। रुस - यह देतर महाद्वार के प्रापः काथे मान में केंद्रा हुवा है।

--

वर्त की हुँहा, बन (देशा) चीर ग्रेंस (धान के महान) पार्व वार्न हैं। में बहुत से सन्तित्र पहार्थ तारे जाते हैं पान्तु हमी तह पूरे सीते से है नहीं तते। इस्ते काल पहाँ हम्मकारी है काम क्षुत्र कम राने है

केत लोगों का निवाद द्वार बाई वर्ग दी। काश्रद वृत्ति में द्वारा है। रता के हुँद्रा में का लोग रहने हैं उनकी रहन सहस र में भी में मिति हैं जो एतियाई हुँहा में रहते हैं। बंगत का मांग भी सिवा है। देवन है। मान में जिल्लाकुरता है। सन्तु हैन, महह म नहीं है हाम है जा होते हा बात मुल्ताना में होता है। हन इ इतारती सकड़ी केत दंगडी की उन्तुवा के समूर् वा त्याम बहुत होता है। दिन मान्ते में हमान्ते सहस्रो कर सी गई द है रह साल प विद्यापनी पादता, जीट हीत घटनी ही भेजी होती है। वहां के लेल विज्ञानने बाबरे की होती कीर कालू

विद्वे काय र में दक्षिण मन के बननति के विषय में के हिन दीनन रहा है उसकी दुरशको । करने साम के उसर की सूचि

THE REPORT OF THE PARTY OF The state of the s er ett ettat of " ÷... 、



एरिजाई स्प के पाट में यह बतलाया जा चुड़ा है कि सब देस बृहत देश में प्रशानंत शामन-प्रशासी मचलित के गई है भीर प्रमेश यह भी बताया गया है कि उसके बहुत से खेंडि-होटे मायों में बहूं स्वत-प्रशास्त्र स्थापित हो गये हैं। इनमें में पांच शासों की स्वतंत्रना पेगर्पाय शाहों ने न्वीकार कर की है, जिनमें से पिनारेंड, हस्सोनिया, सेटविया बीर तिथूण्निया बालटिक मसुन के मिनारें पर स्थित हैं। पांचवी युवरेन का प्रशासन्त शास है। यह मफ्से यहा है। इंपियी एस का समन्त स्टेप प्रान्त इसके बानगीन है। क्या प्रशियाई राज्यों की मांति ये शास्त्र सोवियट सरकार के मंगरन में सिम्स-तिन नहीं हैं, बाल पूर्य-रूप से स्वतन्त्र हैं।

सम में बहुत निहर्या है और ध्रायकतर इन्हों के द्वारा रूप का भीतरी स्थानार होना है। यद्यीय बड़े-बहुं नगरों में होकर रेहें जाती हैं तथायि देश के बहुत में मान रेज में दर हैं।

सन्दर्भाहों के विचार में रूप बड़ा ही सन्दर्भाग है। सुचे समुद्रों में दो बन्दर्भाह हैं दैने स्वेतमार का बन्द्रभाद आरकी जिल बपवा पैलिकिक महामाल का बन्द्रभाड़ क्टाडीवेशस्त्रक आहे में दिन से दके रहते हैं।

सितिम्माछ (धीट्रोप्राष्ट) दुगने सन्न-मान्नास्य की राज-धानी था। इस नगा की प्राचीन काल में पही के सजाह पोटर ने इसदली मृत्रि पा वनवाया था परन्तु राजधानी के लिए यह एक करट्रे स्थान पा नहीं हैं व्यक्ति यह राज्य के एक किससे पा नियन हैं इसका दूसरा नगर मुद्दिली हैं। यह वर्तनान सम्ब को राज्याना है। यह दश के मान में निवनता है को घरवा कर्यु स्थान दर्ग व्यव है। सह दश के मान में निवनता है को घरवा कर्यु स्थान दर्ग व्यव

हामानियों रूप व दोषणाव रहम मानियन है। प्रकार हा एक हम देश में मानिया हमा है। तका महत्त्वचा राष्ट्रपण उन्हार स्थाप हमहानिक्य के समाव स्थाप अल्लामानिया हमा हम्हें है।



(ख) मध्य योरप के देश

जर्मनी को पासप का सध्य देश यह सबने हैं। नकुशे में देखी मा तुमरे। विहित होता कि उमेंनी के माम-पाम किनने देश हैं। पूर्व में पोर्टेड और मम, दक्षिए में धारित्या और स्विट्यूर हैंड, परिषम में मृति, बेलित्यम बार हार्लेड नथा रत्तर में देनमाई है। रत्तर बार इ.फिए की सीमा माहतित है परन्त पूर्व धीर परिवम में बनावटी है। धनएक चाने-जाने में सुनीता है। जर्मनी पहले महा चीर कई यह हुई राज्यें धीर स्वतन्त्र नवारी से जिलाहर एक हहा साम्राज्य था। कद दे सब मिलका एक महातन्त्र राज्य दन गर्द हैं।

कारियह द्वार के विचार में उन्नी दिन आगी में मन्यन्य रखता है ? बता में महान है कीर हरिए में एत्स पर्वन है इसिटिए है समातान्तर राती हुई शाहिरह मातर तथा रसरी मागर में गिरती है। इन विद्यां पर चीन उनहीं महायक विद्यों पर मैनकों मीर नंद नात भरी भांति चर महतो है। परन्तु इनहें ग्रहांनी पर हन्द्राः भार बहुत करते नहीं है। इसमा बारत पर है कि बस बह के निष्ण वर्ष हुई छह त वर्ता नहीं पहुँच महते। ध्युने नहते में जर्मनी हमती महामा राजा द जिल बहुत हरताल मार्च र मोहें, जी, दि ग्रंथ विलोधनी दोलगा की का भीता है।

and the same of th







बेधम है। यहां सीया टाला जाता है बीर भेग नगर में ची ान भारत्या का मान से निकालना इनका वर्तन यनानं का काम होता है। यह नगर विदना और विदे र्थीच व्यापारी सदृह पा है इसमें बहुत रुप्यांगी हो गया रार्विधयन के मान्त में रूसी धंजारे रहने हैं। मून इसका सु नगर है। र . हैंगेरी एक नीचा पड़ार शाल्प र . कॉर्पेथियन पहाद और पालक मायद्वीप से विसा हुचा है। इसकी नदियों के बहाव की देखी। यह दे चारम है। इसमें निद्यां चीरे चारे वहनी हैं चार इनमें बाद चानी है जरबाबु मामी में पहुन ही गरम धार जाड़े में बहुन ही टंदा रहत है। महींनों नक पाला पहता है। यह जलवायु गेंहू की रोती के काम हा है चीर यहां कारच है कि गेहूँ हंगेरी की सुख्य दयन हैं, जी थे।रए नर में सब्से बत्तम होता है। यहाँ के रहनेवाले धपने की मगपार कहते है। ये लोग पहले पृश्चिमा में रहते में परन्तु संकड़ी वर्ष से हंगेरी में बाक्र इस गये हैं। इस प्रजातन्त्र राज्य की राजधानी चुडापेस्ट है। यह हरे भरे गेहूँ वरजानवाले सेदान के पीच में है। यहां का मुख्य व्यान धाटा पीमना भार गेहूँ लादना है। भाज-कल का हंगेरी भजातन्त्र राज्य पुराने पीटेंड किसी समय एक स्वतन्त्र राज्य या धीर योरप के बहु-

हंगेरी राज्य में बहुत होटा है। वहें देशों में लिना जाता था। सी वर्ष हुए इसके पत्नी पड़ीमी रूम, भारित्या बाह जर्मनी ने इसे धापम में बांट लिया बाह रूप का सपसे बहा बरा किया। महायुद्ध वे बांबे बोर्चेड फिर स्वतन्त्र होस्त प्रजा-तम्य राज्य यन गया , यह दश वह सदान की एक बसा है । दे पर देशिया स्वतः क वयवे शा है । गहुँ गह बाट कीर ग्रांकर ०००

में कार्नायन के बाज है। देश चरम है भीर मिही भीर ज वस् 84-31 + 124+ F















भू-मध्य सागर के देश नहीं हैं। वहां बहुत सी लाने हैं, परन्तु से सब कथिक सीदी नहीं वातों होर पहां कला-बोशल भी छपिक नहीं होता। इसलिए होंग जानकर पालते हैं झार साधारण रीति से खेती करते हैं परन्तु ए.स.हें बहुत कम होती हैं। तट के किनारे किनारे वनस्पति धाधिक ं होती हैं। यहां भी मुख्य बपन फल हैं।

टर्बी का मुख्य नगर कुस्तुनतुनिया है जो टर्बी साझाज्य की राजधानी था। यह नगर प्रिया चीर दिष्टी वारप के मध्य के यह स्यापातिक मार्ग पर स्थित है और डाई हज़ार वर्ष से प्रसिद्ध है। पर्यन्त और कोरिन्य यूनान के प्राचीन स्वापारिक नगर है। देश के भीतरी भाग के मित्रद नगर चेलप्रेड और सुकिया द्धा के भावता भाग के भावता गाम प्रध्यमक है। वेलमेंड युगोम्लेविया की संत्रधानों चाँस मुख्या यलगीरिया ी राजधानी है। इन सब नगरों की नक्तों में देंगी।

र र्टली भूमण सागर का घमजी देश है। इसका जलवायु के सर देशों से बाह्य है। प्रावहीत के किया भाग से सजुद हों है। यहां सूर्व प्रयह पमस्ता है, सीर गर्म सीर स्वक्त घटनी हैं। ऐसा विदिन होता है कि घरने देश के सुन्दर क रायों का देखते देखने हर्टनी के निवासियों की सुन्दर से मेन करने का स्त्रमाय है। गया है। क्योंकि वे यहे निद्वत है थीर वे धरन पर्ग तथा मरकारी हमारते ही उत्तम या मूनिया सं मताले हे धीर गान बताने श बहुत सीक् ्रिटला का पाद प्रतिक निवासी गाना या प्रताना का (कांचेक कहा) है जिसमें के कुछ जार रहा है। उद

लामवहर का मेशन का में के कि का के क







ा मासि हिप बार में लिए एउ पहुत रपनामा इस ह जिल्ला इस्त्रोक मेदीन भीर एक र पहुत है। इन भागों की मक्से में देखी। .मांस इपि बार्व के लिए एउ पहुन उपनामी देश है जिसमे महान हतर बीर परिचम में केंसे हुए हैं बीर बाल्यर परेत की सामाएँ दिएल-पूर्व को चर्ला जाती है। हुम जानने हो कि मांस एटणिक महासामर धार मून्यप मागर दोनो में मिला हुचा है। इसलिए इसना मन्त्रभ जरवायु के हो भागों से हैं। इसके द्विए में जहां मृथ्ये मली अनि चमकता है बंगूर, रेंगून चीर राहणून रूपव होते हैं। हम कारच महिरा, हैस्त का तेन चार रेसम का माल तैयार किया माना है। रोन नहीं पर तियम्स नगर में दुनिया में गदमें गरिक एम का मान बनता है। उत्तर की चार जहाँ वर्ण चिप्तर होती है के बार मुक्ति वहुत राउन होते हैं। प्राथमी वारत के बीर देशों घरेवा कांस में बहुत कांधर गेहें उपत होता है।

दना-पूर्व में बोवले की घड़ा पहुंचाने हैं। यह बेरिनियम तक हुई है चीर बर्मना की सानों से बाकर मिल गई है। उन्हीं सानों ुर्वे हिटिया द्वांस्तम्ह में उत्तर मामा के दूसरी चीन फिर महर है।ती दुमको नमस्तु नमना वर्णाहरू कि बेगपले के दूसी मेदान में सेहर भाग विद्या त है जिसमें के भई राज के बह बड़े हास्माने विकास के प्रमुख्या के स्ट्रिक के किस क A Commence of the second The state of the s











च-ब्रिट्ट क्षेपलबुह

रेंबुंहें एक्कें में इन केंब्रु हें हुए होंगे का क्षेत्र कार्य करते हुन्हें न के ते के किस्ता का कार की स्थान के स्टूट करें मंतिक हा होते हैं दिस्हें मन्त्रीत हत्या हैए सिन्

द्वा होता है के के के के के के किया कि की की हुत होते हैं। स्तित कार्य की सेत कार्य की सेता कार्य की सेता

Tributed for the state of the s El sega a frage later state of the facts of the state of है त्या में स्वाटिंड केंग् रिक्य में कार्यालेंड है। रिल्ड the first process of the time of time of the time of time of the time of t स्तित्व क्षा स्वतं क्षा कर्ता है। स्वतं क्षा कर्ता क्षा क्षा कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता क स्थानिक The state of the s हर स्टूबर्स (स्टीस हो। हर्स हर्स स्टास्ट स्टब्स के सम्बद्ध के सम्बद्ध के सम्बद्ध स्टब्स स्टब्स

Butto si tile e sa a sice i enter a sure a sure and a sure a

The second of th

























ारण यह भी है कि यहां के साई जडवायु के कारण रई का स त कातने में टूटता नहीं। यहाँ कपड़े के कारमाती की एक है विधा यह है कि मैनवंश्टर के समीपवर्ती देश में वे लोग अधिक सं . । वस गये हैं जो कई पीड़ियों से सूत कातने व बुनने का काम क सबे हैं। लंबेशायर में वे! तो कई बड़े बड़े नगर रई के कारहाने लेए प्रसिद्ध हैं परन्तु इनमें मैनचेस्टर सबसे अधिक प्रसिद्ध है। (ग) ऊर्नी माल-यह पोनाइन की श्रेणी के पूर्व में वाकरणाय होयको की साना के जपर बनाया जाता है। यह से-पहल जनी म हे कारवॉल्य यहाँ इस कारण से प्रचलित हुए कि लोग मैदान है ह होण में भेडें पाटा करते थे, परन्तु चात-कल बहुत-सा कन भारट्री प्रीर दक्षिण-समेरिका से जियरहरू सीर इल के वन्दरगाहै। में प है। लीडज़ चीर ब्रैडफोर्ड इस माल के बड़े म्याप थान है। (u) सन का माल-पड़ स्काटलेंड में कोर्थ की कोपने 🖟

वेरए का प्रारम्भिक भूगोल

वानों के समीप, नहीं वादिटक सागर के मार्ग द्वारा 🧐 सा सन धाता है, बनाया जाता है। यहाँ कलकत्ते से धाये हुए 🕏 धी वन्तुएँ भी बनाई जाती हैं। उँद्वों में इसके बड़े बड़े कार्यांत है। चायरळेंड के उत्तर में जो चलसी बोई जाती है उसमें का बहुत से कारमाने! में 'जिनेन' रूपड़ा बनाया जाता है। इन कार^{ही}

के जिए इँगजेंड बीर स्काटरेंड से कोवला जाता है। बेलफाए में इसका कारणाना द्विया में प्रसिद्ध है। सायरलेंड के बत्तर ^इ प्रान्त जो अस्स्टर इक्ष्याता है जिनन' के कारसानी के जि प्रसिद्ध है। ्र जहात बनाना—'श्रटिंग-इं।यसमृद्द से जहात बहुत बर्टी है। जो बडाज विदिश के बन्दरगाड़ों न बनते हैं वे दुनिया में सार्ग व्यव्देशसम्बे बाते हैं। झाहुद नदी पर स्टास्समी से, टाइन नदी प न्युके सिम्ह स, टम्ब नदी पर छन्दन स, सरमी नदीपर लि**वरपू**र्व



पानी बरसानी है। पूर्व की भोर समतज मैदान हैं, व्हाँ से लेत बन सकते हैं, परन्तु इस और वर्षा बहुत कम ही इसलिए सेती बहुत कम होती है। सेती के कम होत एक भीर कारण यह है कि ब्रिटिश-द्वीपी में वर्ष के बहुत कर न

= 1

बेरर का प्रारम्भिक भूगील

में कृत्यलों के पकने की पर्याप्त समी पड़ती है। जाड़ की की कड़ी सीर बहुत लम्बी होती है और साहारा प्रापः प्रपेड में विशेष कर जादे में बादलों से पिशा रहता है। ऐसी दरा है बहुत कम हो सकती है। तुम जानते हो कि स्रोटे प्रोटे ग्री ही के पास होते हैं। ब्रिटिश-द्रीपो की बाबादी के नकरों की उसके प्राप्त^{िक}

तथा स्वनित पदार्थवाले नक्रों से तुल्लना करो हो हुन्यें होगा कि:---अर्थे (1) ती भाग पहाड़ी है वे <u>विर</u>हे आवाद है। (२) जिन भागों से केायले चीर छोड़े की साने हैं

धाबाद है। र्सीका प्रदानकारण (३) समुद-तट पर सुरचित वटावेर या गहरी 👯

समीत बड़े बड़े बन्दरगाह तथा घरे चादाद नगर हैं। (श) पूर्व के मेदानों में भी स्रोटे छोड़े गाँव बहुत कम है

भाग भी विश्रे चावाद है। उपरोक्त बानों के कारण निर्योग करी श्रीर खनित पर

चावादी के विस्वास के बीच से सम्बन्ध बनाओं। कारमाना के वर्णन से तुस ग्रेटबिटेन चीर कायर हैंड

बड़े बड़े नगरों के नाम पढ़ चुके हो। इनके शतिरिक श्रीर से नगर है। इन सबके नाम स्माण रम्बना तुम्हारे जिए ब् है। इस देश में 100 से अधिक एमें नगर हैं जिनहीं

कार्थ राम्य संभी कविक है। हिन्दुलान संभी ऐसे ना व्याभव है।





















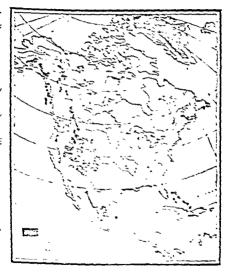








(१) परिवासी पदार—एत रहार देशिये बनकेरेडब से स्टाम देखार उसकाल नव चैटा हुआ है, बीर आसे पट का इनके वैची बैदी केरी होंगी इसेटी अमेरीका दे परिवासी विकार सा



That we setter

िहर हार्ने सन्तरभावत वह र १००० था। भारति है, के साल सामान्य के करण के प्रदेश के



है। दे पराह महारेक कराइट का कार नहीं करते। एउलांटिक मोमार में तिरोतकों है वहीं वहीं नहियों की हो वाहियों से है कर क्यों क्योंरिक के पूर्वी सहुद्र-नट पर गहरी परहुकती कराती है दिर पर मनिद कन्हताह कर तो हैं। कई रेटवें टाइमें भी हैंग पर मनिद कन्हताह कर तो हैं। कई रेटवें टाइमें भी हैंग पराहों केरों की पर करते पूर्वी सहुद्र-नट के कन्हताहों की, तिरेंद का महुदाई की माप के मार्गों से मिछाड़ी हैं। मिनिनिनी, भेप मोन्स कार रेड रिका के महारों के माप में पह पीड़ वाटप्योदी का कार हैंगी हैं।

मृद्धि रीत्र भीति समिति क्यों कार्तिक की कही कही निर्देश के मैदान में उद्दर्श है। नक्षों में इक निर्देश की हैंगे के क्यों काम पर पहुंचे हैं। मेक्सिमी नद साम की बीच मेदान बीच हुंचा में बीका बदाने हैं जैन दूसर न्यामान में निर्देश हैं। बद कार्य में देन में क्या कार्य के दूस ना न्यामा के बाद की नहीं है।

केन्द्रा के शहर में दिसीचेन भाग का नक्ते में हेका । कह को निहते के एक का मानद का गान में जिल्लाही एक है। नेहस्सन वर्ष क्या कर कानन का जा में से क्यां है।





















































बर्मरिका का प्रारम्भिक भूगील 111

बत्तरी हिन्दुंस्तान है। ये दोनी बात शुप्तको यहाँ के जहका है

समसने में बहुत बड़ी सहायता देंगी। इसके किनारे बहुत चरछे हैं। इन पर मानसून इशामी है

कारण बहुत जलवृष्टि होती हैं । देश का भीतरी मार्ग समुदी किना की भरेचा अधिक शुरुक मार ठंडा है, क्योंकि किनारों पर उठकी होने के कारण मानमून हवाओं की चार्तता खर्च हो आती है। इसक्षिपु जब ये इतापु भीतर जाती है सब छमभग शुप्त है जाती हैं। चुँकि एक मोर पड़ार है भार दूसरी चार नीवे छुड़ी किनारों के मैदान हैं, चीर जैंचा धरातल मैदान की चरेता हैं। भीर शुप्त है, इसलिए इन दोनों स्थानों की उपन में बड़ा श्रंतर है



मनुद्री किनारो पर गन्ना, खायल, कपाम चार गर्म देखीं ग्रान्य हर्गत की लेती हाती है। इतम कृत्र प्रशिक जैंची सूमि के * पर कहवा थीर तस्या हूं का खता बहुत अच्छी होती है। '







कार में है। पृजीरिडा के किनारे की चेत यहामा डीन-कार में जीमेंका डीन तथा कन्य बहुन से बीटे बीटे डीन जिटित के किना हैं। जीमेंका डीन में प्रमुख्या भाग स्थापत का केन्द्र कम डीन राजवानी है। यह वन्द्रसाह पनामा की नड़त से सन्ते मणे भेगरेड़ी वन्द्रसाह होने के कारण वह महत्त्व का स्थान हैं।! यन्द्रसाह से केले, नारियल, राजार, राराय, और कहवा सिं केरो भेजा जाता है हैं। स्वायल, खाटा, कपह बीर की की जी स

धश्त

१-(६) पश्चिमी द्वीपसगृह (स्त) मध्य धमीरिहा के प्रश् तथा राज का वर्णन करो । १-संयुक्त-गान्य के कारोधार तथा स्थापार की इतनी क्री

उन्नित का क्या कारण है ? यहाँ के निश्चामियों के मुख्य मुख्य में क्या है भीर वे देश के किस-किस भाग में होते हैं ?

४--- प्यूका उल्लंड से बानके बर द्वीप तक यदि तुम समासि इस किनारे से उस किनारे तक यात्रा करें।, तो मार्ग में तुमकी क कीन उसम दिखाई पहुँचे ?

र--निकालिवित नगरी के प्रसिद्ध होते का कारण बताई। पनामा, न्यूचार्टियन्स, पिट्सबर्ग, शिकामी, हैसीपैक्स, विश् पैग, और उसत्र ।

यभ्यास

जलरी धर्मीरेका के दिव हुए लाके पर देनों की सीमा तथा। बड़े मारों के स्थान दिलाले। सार जहाँ जहाँ लखदी के काम, महें पड़ाना, सान सोएमा तथा कृषि के उपम होते ही बड़ी हुन डा की जिला दो























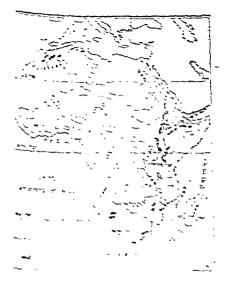












127 6 1 TO































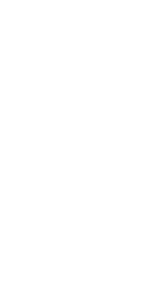
























रे-भारदेशिया को हिन प्राष्ट्रितिक भागों में विभावित कर

भाषानुविता नहारीय के मनुद्र-तर वे चारी कीर की एक करतेक मनुद्र-पाता का वर्तन विवा और बताओ तुन किस बन्दर-पर वे केंद्र किस नामें में जास्तृतिया जा सकते हो ।

रे—मार्ग्हेलिया के मुख्य १ सन्दरगाहों की स्थिति पर कपने विसा मस्टब्से ।

ध-याम

१-- बार्डेनिया के सक्ते पर मुख्य मुख्य स्वार्डियां, समुद्र तथा जिल्हा बार पानमें तथा बेट बेरियर रीक् दिखादों।



धार्मित के किया, महुद्रकर करा बार्या

्रिक्लीस रेविन प्राप्तिक क्षारी में विक्रावित का - ·

िक में में हैं के नार्यंत है नहुद्दना है कार्त की की की का का कार्यंत नहुंक्या का बर्दन किया की बहुतकों द्वार किया करता सहरे केन किन कर में पार्श्विया का सहने ही। भारतीय के मुख्य के स्थान की स्थित करते कि सरकी।

মন্দ্রান

े क्या के हैं के महारे पर मुख्य मुख्य माहिए, महुद हरा माला के कार्य हमाहिए हैं किए से ए दिवाकी।



्रे—भारट्रेटिया को किन प्राष्ट्रिक भागों में विभावित कर को हो !

- भाग्नेतिया नहारीत के मनुद्र-तर के चारों धीर की एक कर्मिक मनुद्र-यात्रा का वर्धन लिखा धीर बताओं तुम किस करहर-रह के धीर किम मार्ग में आस्ट्रेडिया जा सकते हो।

रे—मारहेटिया के मुख्य १ मन्द्रस्ताहीं की स्थिति पर भवने विस् महर करें।

सभ्यास

- भारतेलिया के नक्तो पर मुख्य मुन्य साहियां, समुद्र तथा भ्यतिह कीर भाराचे तथा प्रेट वेरियर रीफ़ दिखाको ।

दूसरा अध्याय

अलवायु, बनस्पति और जीवजना

यदि सुमने द्विणी धन्नीकृत का अटब यु सवी भाति समस्र कि है तो मुमको बास्ट्रेलिया के जात्यायु के समझते में कोई करिनाई होती, क्योंकि ये दोनां स्थल के कड़े कड़े भाग सर्वधा एक ही प्रकार हैं। दोने। एक ही अवांशों के बीद में स्थित हैं, दोने। में पूर्व की बे प्सेटो तथा पहाक हैं, चौर दोनों पर समुदी जलबायुका एक ही र

प्रभाव पहुता है। तुसको स्मरण देश्या कि भ्राफीका के जरवायु । विभाग विशुवन रेला के पाम बहुन गर्म हैं थार यहाँ जान्तृष्टि है मधिक होती है। इनके मनिरिक्त वर विभाग हैं जिनमें (क) कम मा वृष्टि होती है (ल) मरम्यात है भीर (श) भू-मध्य सागर के अपवार् ma Fi

यही जरवायु के विश्वात चारहेरिया में भी हैं। बरावि चारहेति। का केंद्रे भाग भी वियुवन रेखा तक नहीं पहुँचता, परम्यु माथ ही ^{सा} काई माग प्रमापे बहुत दर भी नहीं है। दक्षिणी समीका की मीर्टि बान्द्रेचिया के मध्य भाग से मकर रेखा गुजरती है। इस बहादी ! मण्य भाग समुद्र से बहुत हर हान के बारना पानी बरमानेवासी हवाये के मभाव से बंधित रहते हैं। बड़ी कारण है कि ये माग गर्मी के दिने (दियम्बर थीर अनवरी) में धरवन्त्र गर्म है। आने हैं और इनडे का के बातुर्वहरू का द्वाप बहुत बस रह जाता है। इतरी आर्सी प

हिन्द महासागर केर पार करके भानेवाची क्यारी-पूरी रेड हवायें, मान मृत या मीरिमी इशाधी के सर में चटने जसती हैं चीर त्यूब वर्ष हरती हैं । तुमदी दमात दोला हि बारटीवर बीर नवन्तर के मदीने में क्तांन्स्त ट्रेड इक्ज का उनती-पूर्वा मानसून मदास काहाने और है। में बर्ब करनी हैं। यही हचार्षे विद्युप्त रेखा की पार करके सारट्टे किए के उनती माग की कम द्वादवाली पहली हवा का स्थान महस्य किए के जिए श्रीह पहली हैं।

चान्हेंबिया के गर्ने और वहवृष्टिवासे भाग में इंस्टीय प्रायशीयों हे किर दौर इनते बचा उत्तर में बो होप (बैसे म्यूनिनी इतादि) हैं, भर मामितित हैं। पूर्वी पहाड़ी के दालों पर दी समुद की मीर है देने दृढ़ महासागरवाली हवाची से बलबृष्टि होती है, चीर भीतर में भीर दी माग हैं वह भी गर्म हैं, परन्तु उसमें अरब्धि कम होती । परिचर्मी पहार चीर बीच के मैदान के सहिक्ट के माग चीर मी मीयक द्राप्त हैं। यहां गर्मी तथा शीन दोतें। परिमादा से कथिक होतें है। बाव्हेटिया के इन प्रानी में, जो दक्षिए में महाद्वीप के दीनें भैरों पर स्थित हैं तथा तसमाविश द्वीप में मून्त्रभ्य मागर काना टत्रापु है। बाल्ट्रेविया में द्वीं पहाड़ी की बोड़ कर बीर कोई ऐसा नज न निवेता की बाहे (बून, बुहार्ट) में मधिक रहा हो बाता हो। षान्द्रेतिया में कभी कभी बिज्युप वर्षों नहीं होती। यास के मैदानी में बर्च का चनाव पड़ा ही हार्तिहारक होता है। किमारी की कुमहाँ है बाराद होने के चरितिक सहसों भेड़ें मर बावी हैं। बान्ट्रेटिया है बनवाडु के विचन में यह समाय राजना बायाना बावरपढ़ है कि महा-रीत के कियों भी समुद्रतट में क्यों क्यों हम भीतर की कीर बाते हैं. हेनहीं ब्रिधिक सुत्ते तथा विजेत माग मिलते जाते हैं।

स्तरस्वति—हम महार्शन के वनस्वति के विभाग भी अस्तेहा के विभाग भी अस्तेहा के विभाग भी अहत मिनवेन्द्राने हैं। वनवातु के भागों के विभाग भी एके वन हैं, फिर धाम के मैदान हैं, धाने महस्यान हैं धीर इसके प्रश्निक्त मानव कामी उन्त होता है। वन अधिकतर सुम्य धारहें। विभाग प्रश्निक्त सुम्य धारहें। विभाग दे दलरी किनाने स्व हानों में भीन पूर्व पहाड़ें पर हैं, क्लोंकि वह बर्च की धीं धीं पर्य पहाड़ें हैं। वहां के वह बर्च की धीं धीं पर्य पहाड़ें हैं। वहां के



न्ति हर्ने में युकालिक्स मा नाले गोंद के पेड़ हैं। इनका गोंद निर्माण कानिस करने भीर इनका नेज दार के काम भागा है। में



युकालियुटम का येड्

ों भारा दे पेए-परिचम तथा पूर्व के आतों में पार्व जाते हैं। इस निर्मात के प्रियन्तर पेड़ी की पतियों में तेन पारा जाता है जिसके भारा में नड़ी से बड़ी गर्मी तथा ग्राम्य इस्त ने सबेगों की सहत नरके ने दिन सम्बन्धे हैं। पश्चिमी चारहेलिया के जंगले के पेड़ी के हितीर हिरदुस्तन चीर लड्डा की रेलवे लाइन में किनसर बसते के विद् लावे ग्रामें हैं।

्राण के उच्च करिश्तावाले तम प्रश्न में शहतीयें के पेड़, सञ्ज्ञ, बीस, बेंत, तथा मांच मांच का तत्त्व पाई असी है। उन्हीं पूरी भागों म क्योंन वर्षात्मतीय में केंसे, बास, तुम्बालू, समी तथा सीस दो कादा थला शता है। कास्तिस



ना रिक्ने प्रावृतिका में सेहूँ बोबा जाता है न्यू रिक्तेल तथा विस्तितिया प्राव्य के सेती में इतना कार्यक ना ऐता है कि इस सहाद्दीय में सूर्व से बचने पर विदेशों के दिस जाता है। उसनातिया तथा ऐते प्रदेशों में जहां में-क्या कर्या जनवायु है पतन का्यक हताब होते हैं। विश्वातु—कार्युतिका में ऐसे पहुत से जीव-जन्तु है जो यह कर्य क्रियों मान में नहीं पाये जाते। इनमें क्या के का्येयु है। यह जार्यवाता पत्र है, इनकी नाहा के पेट के कि ऐती वैतो होती है जियमें यह करने करवा के पत्र सेती दि निज्ञांकाले पत्रकों में नहीं पत्र विदेश प्रवार के पत्र देशों की देशे हैं। ग्रह्यों ही भारत एक पहुत भारत्वेवाण क्या देश केता है जिसकों है जार्य महे पत्र पहुत होती है। इसके में देशे हैं। ग्रह्यों ही भारत एक पहुत भारत्वेवाण क्या



(गी-(म) प्रान्तिका है सनुष्यों है शुख्य स्थम तथा शुख्य १६८६२ है कर सहते हो १

्हें (६) दा दिन प्रकार कींग दिन दिन भागों में प्राप्त

(१)-कार्वे जा 'र्गेट का क्षत्र चेत्र हैं', इस विषय में अस्त नक्ष्मण प्रकट करें।

यभ्यास

(१) क्रिक्ट है जिस ने नार्व पर आवश्यन तथाओं का जारत, पश्चा रचे का करेंग, तथा कप्यत्त सुचक करेंग दिखाकों केंग्र हुए कोसी देख देखार का काम श्रीक संगोत पर जिस्स देंग्र।







चोवा अध्याय

न्यूज़ीलेंड तथा प्रज्ञान्त महासागर के अन्य द्वीप

'पूर्वालेंड मिरिश-राज्य वा एक धार माग है। इसका पेप्रकल विशा व उद्दीसा के चेप्रकल के तुरुष है। यह तसमानिया द्वांप से पूर्व ही भार प्रमुमान से 1,000 मील की दूरी पर है। नक्षे पर प्यान से देवा ४०° द्विचा। धर्मारा रेवा जो घास के जलसंग्राजक में से होकर जाती है वहां कुक सलसंग्राजक में होकर भी जाती है। यह सलसंग्राजक उत्तरी होग तथा द्विचा होप के बीच में है। इस बचारा के पते से तुम न्यूनीलेंड के जल-यासु तथा बर-स्पति का धनुमान कर सकेगो। ये द्विची-नूर्या धारहेबिया के जल-पासु तथा बनस्पति से बहुत मिलते हैं।

न्यूज़ीलेंड स्थितांस पहाड़ी देस है। यह उन उहाला-सुसी पहाड़ी होषों के टीक दिवा में है जिनकी थेटी पश्चिम में पैतिज़िक महासागर के किनारे किनारे होती हुई यहां खाकर समाप्त होती है। इसिल्ए भुड़ोलों का खाना यहां एक साधारण बान है। यहां गर्मे स्रोते जिनको गीस्सर कहते हैं, बहुत से हैं। इनमें से ज़ैबारे के सास जल की गर्म धाराष्ट्र किसी किसी समय बहुत ऊंची उस्ती है।

वल का गाम वाराज करिया होय बनायर से एक हुनते से सर्वया भिक्ष बत्तरी तथा देविया होय बनायर से एक हुनते से वत्तर, दृष्टिय, हैं। बत्तरी होय सम्ब से बन्तन ऊंचा है। यहाँ से वत्तर, दृष्टिय, पूर्व तथा परिचम चारों भीर पहाड़ी की श्रेटियाँ गहें हैं। इनमें बहुं उथानामुखी पहाड़ हैं जो हमारे देश ने विरुव्यावन या परिचर्ना घाट स स्थिक अंच हैं। इनक समार मृत्य बक्तर सामा करना है।

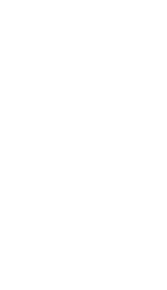






न्यू शेरीह तथा प्रशास्त्र महासागर वे चन्य शिव हो हैं। इस होने के परिवर्धी इसके प्रजनी है। इसलिए परिवर्ध व हों है सबूध दिन्तों की कपेषा कथिक जल-कृष्टि हेरता ह हों। स्टूडिंड की बरम्पति के विभाग यहां वे (क) प्रश्ना पर व र्लड , इंट क्ए (स) हरूदे सीवे हालों दर प्राप्त के मदान है ... सनव (^हें है) पर की भाग दीती है। बनो से बहुम्हच अवरांक ता ह ्रेडिट्रून से भारा तहन्त्र का काम कात करते हैं। यह के बहु के े हुद्दे शिव में दे का मेंद्र कृत हैंदे ताब यान के दिला बहैन दसन ी हिया गाँद का जात विकास है जिसस कहून उत्तम बसायर कार्य है। देश है एसनए निहार साम है अने हैं। बेर भी हेल्प रहत भेद राजना है। जान बीट भेड का तुम्ब मास है के दक्षिण के देश हैं देखर का अला दाला है। अला से आब कर्म में की दोले होती हैं। के लाखान आहर का ता साथ रेर दी न में देवनि कर रहे हैं, पास्तु दिए परन स्थानक समा केंग्रहण et eine mint git die big nu nidige einer wenir fert ber ben all guest fingt fir an einen einer कर कर का शहर के के राज के सार है अन्य जा पा कार १४ प्राप्त है है। क्ष्मुकार के बी आपी व किहारत अववट जाव ताब करते हैं, का होतार के प्राथ के रिकारिया के करते प्राप्त कर कर्या er freggner ent. Professional programmes and a second contract to the state of the s Central access to began a Spring a grange and and and con-

Street Contract



हैं केर से श्रीम के रख-चेत्र में उन्हें थे। इन क्षेत्रों ने प्राचीन काल में करने समीरवर्ती सहरे सका नुकानी समुद्रों में लवड़ी की छोटी छोटी गरें पत्राता शीला था। ४०° द० च० वे समीप की मर्चंड पहुंचा रशरों की कार्र हुई लहरों में थे नावें बुशलता-पूर्वक चल मबती थी। भावकार वे शिवित है। रहे हैं। इनमें से बहुत स्रोग धेंग-रेर पनप्तियों की सहायता से खेती करते, भेड़ें पालते तथा कन एक-वित बरके विदेशों की भेजते हैं।

काक्टेंड-केवल वही एक नगर इसमें ऐसा है जिसमें 1 ोन से कथिक मनुष्य रहते हैं। यह शत्तरी द्वीय में बहुत बड़ा गाराहिक सन्दरगाह है। बेल्टिंगटन न्यूज़ीलेंड की राजधानी है। या होती होती के मध्य में कुछ के मुहाने पर स्थित है। माइस्टचर्च रे पर्ता होय में सबसे बदा नगर है। इसके सजिवट नांदी में भेड़ें ^बरन पाली जाती है।

भ्यूनोलेंड एक बंगरेज़ी स्पनिवेश है। यह एक बंगरेज़ी गव-रें के कारीन हैं की प्रजा के निर्वाधित सदस्यों की एक पार्टियामेन्ट नेश मेत्रिमण्डल की सहायमा-हास शाजकात्र बताला है। इसके

कर्णन प्रतासन प्रदूरतागार के बहुत से हुँगए हैं।

महात्त्र महासागर वे नव्यों ने मुख इस द्वीपी की देशोंगी की पालीनेशिया (धर्यान् बहुत से द्वीप) बीत से एकोनेशिया वे काम में प्रतिष्ट है। इनमें में बहुत से बेटोड़ी सामन के अर्थन है। (को में पहिला में बनी भया कामराहरी हैंग्य-नशृह सबये मेंबर Er wie gibenne & menn er- fie nienfen f. geb में महारे बर्द होत के हरिएह नगर नक कार्यमान गृही है का हुन they be tracist on the section of the start of क्षा कर हो है हर व शहर हिस्सी स्ट्रान हुए ह चाकर चल पार । विकास कुलाल है । इसका सुद्र सुन्द संभातिक पित्र के निम्नाला ४० व Lange Con C 93779 41 F4 2 Pm 11



न्युड़ीर्रेड तथा प्रशास्त्र महाभागर के बन्ध द्वीर न्तिमा मवलो परुष्ट कर जीवन-निर्वाह करते हैं। फ़ीझी द्वीपसमृह के ^इहुत-वे शेरों में हिन्दुस्तानी किमानी-दास बारवीय धनवान् लोग

नहें की मैती करते हैं। सक्का, धान, कपास, तथा नक्का, कव मरः बहुत-में द्वीपों में घोषा जाने लगा है। प्रस

(1) म्यूलीलेंड का रसरी द्वीप दक्षिणी द्वीप से बनायर में किन दिर दानों में नहीं मिलता ?

(रे) म्यूड़ीलेंड के बल-बायु तथा बर्व की दिहेटी-पूर्वी कारेतिया के बह-बायु तथा रपत में तुहना करें।

सभ्यास (१) न्यूहीर्वेड के साहे पर बड़े बड़े पहाड़ और निमाडिन्यत

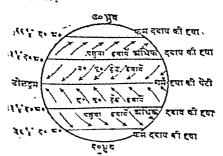
रातों के दिखाँची :--म्देरः ।

इक स्ट्रेट, बाक्टेंड; वेटिंगट्ट, बाइस्ट वर्ष, बाम के मैदार. र्मिन्त या रामें बल के बरवारे, कीरी पहन के बंगत तथा भेंगे का



परे तुन्दें पह विदित हो जाय कि श्राधिक दशववाली हवा कम दबाव-श्रों हवा की श्रोर चलती है, तो तुम यह सीध समक आधोगे कि हवा में गठिया पाल तरसब करनेवाली शक्ति गर्मी है जिस पर हवा दे दगा का घटना श्रीर यहना निर्मेर रहता है।

बर पापु में गति (पाट) रायब हो जाती है सब हम इसे हवा से विन्दुः बहते हैं। यदि भिष्ठ भिष्ठ स्थानों या भिष्ठ भिड वैदा-दि हो हवा का इदाव सदैव समान यना रहे तो कोई हवा न पत्ने मेंग हवा गर्मी तथा जल का घीटना मन्द कर दे। को हो! ति वेदिया के जलवायु, दश्य तथा मनुष्यों की वन्त ने में यहा मारी चित्रेन हो जाय!



ब हुन्म ; 'ब' हबा भरद धरा या पत्रज्ञा होती रहती है हुन-१८ हमक जनन भरक घटन बहुत, रहता है। हमका बाम यह होता १७ हक कमा भी गामन नहीं रहता। एक सर्वेद बाली बचा रहता १० ह जा करद सालाब हो था। भरवा हथा रचार होहती रहता है।

दिशायों की थोर से भिन्न भिन्न चार से चठा करती हैं। इमंत्रिय इवायों के नाम उनके चलने हे (१) स्थान या प्रदेश, (२) दिशा, (३) ऋतु तया (४) चाछ के धनुमार रूप किये गरे हैं। भूमण्डल पर चलनेवाली हवाची के चलने का कारण तथा रह या दिशा का टीक धनुमान बायुमण्डल की हवा के द्वाव धार भिष्ठ भिन्न द्वाव की पैटिया के समसने से किया जा सकता है। सामने के नकरों के। प्यान से देखी। इसमें इया की तीन मुक्य तथा प्रव पर्य की हलकी हवा की दे। देडियाँ दिखाई गई हैं। निपुषत रेखा बीर अबी के समीप की पेटियों का दबाव कम है थीर वर्करेखा थीर महररेखा के पास की पेटियों का दवाव ग्रधिक है।

प्राकृतिक मुगीब यदि हम सारे भूमण्डल की सैर करें तो इनके विदित होगा कि इयार्पे भिन भिन्न भागा पर भिन्न नित्र समय बाँर भिन्न भिन

215

बनवरी साम में इवामी का दन वियुवन रेक्षा के समीप की पेटी की डोलेड्स कडने हैं। प्राचीन

काल के मांबी इस वेश की इशाबों का उनके बैचे सायकम, विक्रता की

मन. पिस्ट कॉपियों नथा थेत बृष्टि के कारण पहुत उरते थे। १९' व्या तथा २०' दृष्टिए कदांस के तसीप की हवा की पेटियों देश बहुत हवाओं के सीसी 'हार्स सैटीरपूड' कहते हैं।

हता की ये देटियाँ सूर्य के साथ साथ उत्ता या दक्षिए की स्रोत को प्तो स्ती हैं। उद नुवं उत्तरी मोलाई पर वक्तेया के टीक बार बनवता हुका दिसाई पड़ता है तद गर्नी की कविवता के कारण रिकार के माप माग का वायुमण्डल बहुत ही पतार हो जाता र भीत बढ़ीता तथा विषुदत रेन्या की देही उत्तर की कीर बढ़ आती है। इसी प्रकार जब मूर्य दक्षिय की कीर मुद्रा हुन्ना (दक्षिणादन) टिमाई परता है तब वे सब देटियाँ दक्षिण की कोर बड़ जाती हैं। पूर्व के रतर या दक्षिए की घोर बढ़ते से स्थल-आमों की हवा के दवाय में बड़ा भारी परिवर्तन हो जाता है। दिन और रात में भी 'हवा के इराव' में परिवर्तन होते. रहते हैं, स्वोंकि पृथ्वी के पूनने के साथ माथ इनके बक्त का बादुमण्डल भी वृमना काता है चीर कम से गर्म पा टेंडा होता रहता है चीर स्थान संयो जल-मार्ग चरने कपर की हवा की रेंडा पा गर्म बरके हमके हदाद में परिवर्तन पैदा वरने रहते हैं। इस-लिए बाबुमण्डल की हवा के हवाब में स्वादी परिवर्षन होने के बारण पन्नेवाला 'हुँड' हवामों के पर्टन के पहले हैवा के इवाब में देनिक परिवर्तन होने के कारण उत्पद्ध होनेवाली हवाओं का वर्णन पहना प्रसन्त प्रावस्यक है।

स्थल तथा जल की हवायें

हम बना पुत्रे हैं कि भूमि के समीत की हवा गर्म होतर हैं उनी है और हज्यों होन्द करहा उद्दर्श हैं। समीत के होई प्रदेशों से पने हैं और हज्यों होन्द करहा उद्दर्श हैं। समीद हम का न्यान प्रह्म करन से हमा क्षिक दशकता है। हिन्दुसान देने गर्म होंगे हैं प्रमुक्ता के समीद हम प्रकार की स्थानिक हवादें जनतीं हुई मानूम होंगे हैं। प्राप्त करन



िगई में भी इन दिनों है। जाती है जब सुर्य मबद देखा पर सीधा मन्ता है। 🗡

सामयिक ह्याचँ तम्म १०० १

ध्वाम में मूर्व वी स्थिति बद्दाती हुई प्रतीत हो। बा हुम्सा नव पर पट्टमा है कि भूनपहर पर विन्हीं विन्हीं महेगों में मूर्ति वी रिवर तथा पराही थी। महावद वे बास्य भीषम बातु में हवा हरती कि समे ही जाती है कि समना 'द्वाव' बहुत ही हरता हो लागा। होंग ममीर के समुद्रों वे जन्म बी हवा विद्युवन रेमा के समीर मेंगा में होने पर भी न को हतती समें है। पानी है बीहन समन्दर पर्य' ही हतता प्रहें पाना है।

र्याद व म स्वादवार्ता हथाओं वे क्याप-भाग वे क्या को कोर वे है रने के दे पहान होते हैं की क्याब की बाधार की कोर में बारवारों विव स्वाद की हकारों के होया के ते हैं भी क्या कि स्वाद करायों कारों रियो ममुद्रों की हकादे कर मामें कीर हरकी हवाकी को करा असी रियो ममुद्रों की हकादे कर मामें कीर हरकी हवाकी सामें स्वाद असी



इंग् दूर अपर के वायुमें हार में पानने पानों ये हवाये हमती हों हो आती हैं कि दूसका द्वाव नीचे थी तथाओं से पड़ आता है कि दूसका द्वाव नीचे थी तथाओं से पड़ आता है कि दूसका द्वाव की पेटिये! के समीप पहुँच कर ते हैं होते अपनी है। इस समय दूरते समिव भी आप नहीं होती कि हिए जिस मदेशों के पास ये हवायें तीचे उत्तरती है हकते वर्षों नहीं दें हैं कि मदेशों के पास ये हवायें तीचे उत्तरती है हकते वर्षों नहीं दें हैं कि मदेशों के पास ये हवायें तीचे उत्तरती है हकते वर्षों नहीं दें हैं कि मदेशों के पहले मदेश आप हैं हिए इस प्रदेश आप हो तो है हिए इस पहले यह दें हो हमान के पहले पर हैं हमा हिया के बहु में हो हिए साम है ही हमा के देह के समीप का स्थान है।



eg division on the control of the control on get being for the control of the con



इमिडिए रितिस्प कटिक्य के उसी में दिरियमी समुद्र-नट पर पूर्वी ममुद्र-नट की प्रपेश स्थित क्यों होती है। पहुंश इवायों के प्रदेशों में रणियीत देशों के नगरों में कारपान नगरों के पूर्व में बनाये जाते हैं नाहि पहुंबा हवारें उनका भुक्षां नगर की ग्रेस न लाकर उसके दिय-रीत पूर्व की सोस बहा से आयें।

दुनिया के भिन्न भिन्न होंगे का भौतोशिक वर्षन पहुन में तुरें विदित हो जाएगा कि भूमेंहल पर करनेवारों गर्म, तथा रंडी कथवा भार में भरी हवारों कहीं कहीं महार की रवित में महायह भीर की यही हानिकारक प्रतीत होती हैं। वहीं वहीं समुद्रों में हवायों के रख के भ्रतुमार जरू-मार्ग निश्चित किने जाते हैं। रेरिन्मांने में करीं वहीं हवारे हुनती कथिय बातु तथा पुर रहाती है कि वाहु-मेंडल भूल-करों से प्रीयुर्च हो जाता है भीर मार्ग करना बहित हो जाता है। वहीं वहीं हवाओं के कारा वर्षो होती है तो वहीं वहीं हवारे देह-तीयों की तमनम का पार्ता सुमा देती हैं।

रातिएया कडिक्य के देरों में कमी कमी रहाय हमारे तथा प्रवाह काथियां इतमी कथिक नहीं रूपक कर देती है कि जाते के दिनों में सारों दरहा दनहर कामार है। जाएं के दिनों में हमारें ह वह उन कर कामार है। जाएं के दिनों में हमारें ह वह दहताने नामों में लोग करने मकानें में कमामित्र नरका देते हैं दिनों में समार कर महें कि हमा किएतें गाने का मार्ट है। जिस दिन मारकार लोगों के विदान होता है कि नाममार (कमामित्र) वालु का नामका कर्म है के दें पर का रूपमें में कम क्षान है ने दें मामक में हैं कि का दिन पहुंच देंगा गरेगा और दिन दिन नामका कर्म है है कि का दिन हमार देंगा गरेगा और दिन दिन नामका कर में हैं है कि का दिन हमार कर है। हमार क्षान हमार है का हमार हमार है। हमारें के दिन में हमारें का नामका कर में में हमारें का नामका कर हमार है। जारें में मूद मोरों में हमारी का नामका कर में लगा नामों हमार है। जारें में मूद मोरों में हमारी का नामका हमार हमार हमार है। जारें में मूद मोरों में हमारी का नामका में का नामका में हमार हमार है। जारें में मूद मोरों में हमारी हमार हमें हमार कर नामें मार्ट है। जारें में मूद मोरों में हमारी हमारें हमें हमार हमार हमार है। जारें में सामार है। जारें हमार हमार हमार हमार है। जारें में सामार है। जारें हमार हमारें हमार हमारें हमारें

जपर के वर्णन से तम समक्त गये होतों कि मुर्गेट्ड के मित्र भिन्न भागे। में मनुष्यों के जीवन पर इदाधी का क्या प्रभाव पद्यता है।

प्रश्त 5—हवाओं की कीन चाराता है ? इवार्वे क्यों कर दल वहनती. श्रमी है १

२--ट्रेडविंड, पहुचा, मानसून, स्वजी इवार्वे, सामुद्रिक इवार्वे तिसे कहते हैं ? ये दक्षिण के तिम श्रवारों में बड़नी है ? बीर क्वेर १

३--- नीथ किथे के विषय में क्या जानते है। १.... बेल्ड्रम, गरजनवाली चालीमा, ग्रेप्ट का प्रचारा ।

४--इयदे। हिस प्रदार प्रमीतान बरोते कि किन्द्रप्रदामागर की ग्रीर स चठनवाली मानसून इवाये क्या कटियन्त्र में चठनेवाणी इवामी केरून के विरुद्ध चठनी हैं ? ग्रीर क्यों ?

४--- इवा के दवाव और नायक्रम में क्वा सम्बन्ध रहना है है

द्याध्यास

 पृतिया के नक्ते पर प्रश्त नै॰ + तथा ३ की कार्यों की दिवाचे ।

नैवार करो जिन पर (१) हेड इयार्वे. (१) मानमून द्रशार्वे. (१) वर्षा इक्षावें चारती हो। ३--- द्विया सं हवाचा संबक्ता का तथ कर क्याचा कि दिल्ह

सरामामा स कराई नवा अनवरी माम से इवाचा ना दल दिन करे का रहता है थीर वर सन्धान करों कि दिल्हरताम के अन्यान वर ह्यका क्या बचान प्रकार होता ।

मामिक वर्षा का धीनत इन्हों में।

४—इपर लिखे हुए वर्षा के खंबों को प्राप्त के रूप में दिगाओं भीर व्याची इन तीनों नगोरें में बीन-मा (१) सबसे कपिक गर्म (२) सबसे कपिक रेंडा है, और बद। बदा तुन कड़सार से बना सबने हो दि इन स्थानों में बीन-मी हवायें पानती होगी ?

 स्वक्रिक्तित नगरे वे सासिक नाएकम के झाण के रूप में रियाची !

(नापक्रम कानेटाइट दिही है)

हत हरात के तादबस का बाद में उत्तवह दशकों -

⁽¹⁾ केंद्रमा नग बह दहुत गर्द या बहुत दशा गरमा है न

⁽⁴⁾ बाद्य क्या में नहीं की। कार को ब्राह्म कर हार्स है की। विकास को कार्य होगा र

⁽१) लोक रण के नहीं कीन उप के नायक का काना है। जो करते



